A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 01 फरवरी, 2025

# सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 122, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews


प्रसंगवश

# क्या नया बजट आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा?

**ललित गर्ग**

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल-क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा।

आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स-फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है।

यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फ़ैसला समय-समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ़्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोज़गार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मज़दूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से ख़ासकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोज़गार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीदें हैं।

बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सब्सिडी और बैटरी निर्माण में निवेश बढ़ाने की योजनाएं पेश की जा सकती हैं। 'गरीब कल्याण अन्न योजना' का विस्तार कर मुफ्त राशन वितरण को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए बजट बढ़ाया जाएगा।

यह बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। उम्मीद है कि निर्मला सीतारमण के बजट से क्या-क्या निकलता है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से अधिक विकास दर से दौड़ने की अपेक्षा है। निजी बचत को बढ़ाये बगैर विकास की तेज रफ्तार का टिके रहना मुश्किल होगा। इसलिए इस ओर अभी से ध्यान देना जरूरी है। एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकड़ने वाले हैं। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

**(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

# युवाओं और बुजुर्गों के नाम रहा राष्ट्रपति का अभिभाषण

● सोनिया बोलीं-पढ़ते-पढ़ते थक गईं बेचारी,राहुल ने कहा-बोरिंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को पहला दिन था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का संबोधन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण की शुरुआत कुंभ हादसे में दुख व्यक्त करते हुए की। उन्होंने कहा- माननीय सदस्यों इस वक्त महाकुंभ भी चल रहा है। वहां हुए हादसे पर दुख प्रकट करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे केंद्र सरकार की योजनाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा- 70+ बुजुर्गों को आयुष्मान का फायदा मिला, छोटे कारोबारियों के लिए लोन लिमिट दोगुनी हुई। साथ ही 3 करोड़ नए घर का लक्ष्य जल्द पूरा होगा। जब सोनिया गांधी से पूछा गया तो उन्होंने कहा, अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं।

## हेल्थ सर्विस पर और खर्च करेगी सरकार

कैंसर मरीजों के लिए कैंसर दवाओं को कस्टम ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है। सर्वाइकल कैंसर के लिए 9 करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जितना बल फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया,उतना ही सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया। अस्पताल, इलाज और सेवा के चलते परिवार का खर्च लगातार कम हो रहा है। एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। आज भारत टेक्नोलॉजी के रूप में अहम ग्लोबल प्लेयर है। भारत में 5 जी की शुरुआत इसका उदाहरण है।

● **गरीब-मिडिल क्लॉस पर सरकार का जोर-** गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिले, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। देश के 25 करोड़ लोग गरीबी को परास्त कर आज अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने न्यू मिडिल क्लास का ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया जो नई ऊर्जा से भर रहा है। सरकारी कर्मचारियों के सम्मान के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन का निर्णय लिया है।
केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के यूनिफाइड पेंशन के तहत 50 फीसदी निश्चित पेंशन देने का फैसला लिया गया है। आज देश के विकास में सबका साथ है इसलिए हम देश के सभी सामर्थ्य का अनुभव कर रहे हैं। इसका लाभ दलित, वंचित और आदिवासी समाज को मिल रहा है। जिस जनजातीय समाज की उपेक्षा होती रही, हमने उसके कल्याण को प्राथमिकता दी।

# मप्र बना जीसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने भारत की पहली समर्पित ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) नीति 2025 लागू की है। इससे राज्य नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर हो गया है। यह नीति भोपाल, इंदौर और ग्वालियर जैसे टियर-2 शहरों को वैश्विक परिचालन केंद्रों के रूप में विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिससे भारत में विस्तार की चाह रखने वाले व्यवसायों को प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा। आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी-2023 की सफलता को आगे बढ़ाते हुए यह नई नीति मध्यप्रदेश को एक सशक्त जीसीसी ईको सिस्टम प्रदान करने और राज्य को भारत के तकनीकी विकास में अग्रणी बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हाल ही में इस नीति को कैबिनेट की स्वीकृति मिल चुकी है, जो इसके रणनीतिक महत्व और प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाती है।

भारत पहले से ही वैश्विक जीसीसी परिदृश्य में अग्रणी है, जहां इसका 50 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी है और 2023 में यह सेक्टर 46 अरब डॉलर का था, जो 2030 तक 110 अरब डॉलर से अधिक होने की संभावना है। वर्तमान में भारत में 1,600 से अधिक जीसीसी परिचालन में हैं, जहां 19 लाख से अधिक पेशेवर कार्यरत हैं और 2030 तक यह संख्या 45 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश के लिए यह क्षेत्र में प्रवेश करने का उपयुक्त समय है, जिससे वह 2030 तक अनुमानित 2,400 से अधिक जीसीसी केंद्रों में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी प्राप्त कर सकेगा।

## नीति के तहत प्रमुख फोकस सेक्टर

मध्यप्रदेश की जीसीसी नीति में पारंपरिक परिचालन के लिए लेवल-1 जीसीसी और उच्च-मूल्य नवाचार के लिए एडवांस जीसीसी को लक्षित किया गया है। नीति आईटी/आईटीईएस, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम और अन्य तकनीकी क्षेत्रों पर केंद्रित है। राज्य में 5 विशेष आर्थिक क्षेत्र और 15 से अधिक आईटी पार्क हैं, जो उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों के लिए समर्पित उत्कृष्टता केंद्रों से सुसज्जित हैं।

# संसद में साल 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश

● 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी तक रह सकती है जीडीपी ग्रोथ

● अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच महंगाई 4.9 फीसदी रही

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यानी 31 जनवरी को इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। इसके अनुसार एफवाय 26 यानी, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान जीडीपी ग्रोथ 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है। वहीं रिटेल महंगाई वित्त वर्ष 2024 में 5.4 फीसदी थी जो अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9 फीसदी हो गई। इकोनॉमिक सर्वे बजट से एक दिन पहले पेश किया जाता है। इसमें सरकार इस वित्त वर्ष यानी 2024-25 में देश की जीडीपी का अनुमान और महंगाई समेत कई जानकारियां होती है। ठीक हमारे घर की डायरी की तरह ही होता है इकोनॉमिक सर्वे। इससे पता चलता है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की हालत कैसी है। 2025-2026 में इकोनॉमी 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है।

## चालू वित्त वर्ष ने भी दिया जोर का झटका

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और कॉरपोरेट इनवेस्टमेंट धीमा होने का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर चालू वित्त वर्ष में साफ दिख रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान देश की विकास दर 6.4 प्रतिशत रह सकती है, जो कि पिछले 4 साल में सबसे धीमी है। वहीं, बीते वित्त वर्ष की तुलना में इस बार गिरावट देखने को मिल रही है।

## खेती-किसानी को करना होगा और मजबूत

सर्वे के अनुसार भारत के एग्री सेक्टर को और मजबूत करना होगा। यह देश की ताकत है और यह 5 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रही है। भारत फूड सिक्योरिटी के मामले में एक दुनिया के लिए प्रमुख देश बनेगा। इस इकनॉमिक सर्वे ने डिसइंवेस्टमेंट पर चुप्पी बनाई है। उम्मीद की जा रही है कि बजट में सरकार की तरफ से डिसइंवेस्टमेंट पर बयान जारी किया जा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था 2023 में 3.3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करने में सफल रही। आईएमएफ का अनुमान है कि ग्लोबल इकनॉमी ग्रोथ रेट अगले 5 साल के लिए 3.2 प्रतिशत रहेगी। वैश्विक स्तर पर ग्रोथ रेट स्थिर है। लेकिन अलग-अलगे क्षेत्रों में ग्रोथ रेट अलग-अलग रहेगा। पहले कोरोना और फिर युद्धों की वजह से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। महंगाई ने इस दौरान लोगों को खूब परेशान किाय है लेकिन अब एक बार फिर स्थिति सामान्य हो रही है। यही वजह है कि दुनियाभर के सेंट्रल बैंक अब ब्याज दरों में कटौती कर रहे हैं।

# जापान की बड़ी कंपनियाँ मप्र में व्यापार को हुईं तैयार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मुख्यमंत्री की जापान यात्रा को मिले सुखद परिणाम

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुझे खुशी है कि जापान की बड़ी कम्पनियाँ मध्यप्रदेश में आकर अपने व्यवसाय और व्यापार को बढ़ाने के लिये तैयार हैं। मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहाँ से उत्पादों को न केवल भारत में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक भी आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इसका लाभ जापानी कंपनियों को मिलेगा और प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पैनासोनिक और ब्रिजस्टोन जैसी कम्पनियों सहित जापानी निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश के लिये सहमति जताई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी चार दिवसीय जापान यात्रा के दौरान व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान के उद्योग, संस्कृति और तकनीक को करीब से समझने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का वातावरण बदल रहा है। एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव ने अपने जापान दौरे के चौथे दिन बुलेट ट्रेन का सफर किया। पत्नी सीमा यादव के साथ सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुलेट ट्रेन में एएनआई से बातचीत की। सीएम ने कहा- मैं इस ट्रिप में अपनी पत्नी सीमा यादव के साथ 4 दिन की यात्रा में रहा। यहां के कल्चर को देखने, समझने के लिए हम धार्मिक स्थानों पर गए। बौद्ध धर्म के धर्म के स्थान पर सपत्नीक जाने की हमारे यहां की अपनी परंपरा है। मुझे अच्छा लगा कि बौद्ध संस्कृति भगवान सूर्य से जोड़ती और गौतम बुद्ध से जोड़ती है।

## देश के बाहर जाने में आसानी से तैयार नहीं होते जापानी

सीएम ने कहा- हम इसके पहले ब्रिटेन के दौरे पर गए थे जर्मनी के दौरे पर गए थे। वहां का रिस्पांस तो था ही लेकिन जापान के बारे में आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि जापान के लोग बहुत जल्दी तैयार नहीं होते उनको देश के बाहर निकालना बहुत कठिन होता है।

## पैनासोनिक, ब्रिजस्टोन जैसी कंपनियां एमपी में बढ़ाएंगी व्यापार

सीएम ने कहा- हमने यात्रा करने के अलग-अलग चरण तय किए थे। एक चरण में हमने पैनासोनिक से लेकर ब्रिज स्टोन टाइप की जो कंपनियां मध्यप्रदेश से जुड़कर पहले से व्यापार कर रही हैं। वह अपना व्यापार, व्यवसाय और ज्यादा बढ़ाएं। उनके यहां इस बात की गुंजाइश है कि हमारे और उनके बीच जिस तरह के रिश्ते हैं। उस आधार पर उनको नए निवेश के लिए प्रेरित किया जाए।

मुझे इस बात का संतोष है कि एक मुख्यमंत्री के तौर पर हम उनके कैंपस में आए हैं। आमतौर पर इन मल्टीनेशनल कंपनियों के मूल मालिक या डायरेक्टर ज्यादातर दूसरे देश की दौरे पर नहीं जाते। वह अपने हेड क्वार्टर पर रहते हैं। हमने उनके हेड क्वार्टर पर आकर सारी बातें बताई और हमसे जुड़ने के लाभ बताए।

## नए निवेशक भी मप्र से जुड़ना चाहते हैं

मध्य प्रदेश में हमारी भौगोलिक स्थिति इतनी अच्छी है कि वे कोई भी प्रोडक्ट बनाएंगे तो देश के अंदर भी और देश के बाहर जोड़ने में भी उसका लाभ मिलेगा। इसके आधार पर सारे इन्वेस्टर जो हमारे यहां पहले से इन्वेस्ट कर रहे थे। चाहे वह पैनासोनिक हो या ब्रिजस्टोन हो, इन्होंने कहा कि हम आकर आपके साथ और बड़ा काम करेंगे। सभी मुझे व्यक्तिगत तौर पर इस बात के लिए धन्यवाद दे रहे थे कि सरकार के मुखिया होने के नाते आपसे मिलने से हमारा कॉन्फिडेंस और बढ़ा है। नए निवेशक भी मिले जिनसे बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा। हमने जिनसे भी बात की वे सब भारत से जुड़ना चाहते हैं मध्य प्रदेश से जुड़ना चाहते हैं।

## सुप्रभात

मैंने एक प्रेमपत्र लिखा
आवारा बहती हवा पर
हवा के कदम लड़खड़ाए
और हवा ने अपनी दिशा बदल ली।
मैंने एक प्रेमपत्र लिखा
आसमान ह्यमें लहराती लाल पतंग पर
पतंग कटी और एक बच्चे ने उसे
अपने घर की दीवार पर लटका दिया।
मैंने एक प्रेमपत्र लिखा
कल कल बहती
सुरमई नदी के मीठे जल पर
और नदी जाकर समुद्र में समा गई।
मैंने एक प्रेमपत्र लिखा
नागचम्पा के महकते पुष्प पर
और चिड़िया को दे दिया
चिड़िया उसे लेकर इधर उधर उड़ी
और किसी घने जंगल में छिप गई।
मैंने एक प्रेमपत्र लिखा
बादलों से घिरे आसमान के शामियाने पर
और कड़कती बिजली ने
उसे पल भर में भस्म कर दिया।
मैंने हार कर
अंतिम प्रेमपत्र गर्म आँसुओं से
अपनी आत्मा पर लिखा
और उसे अपने दु:ख के हवाले कर
दिया।
सुनेत्रा,
यह वही पत्र है
जिसे अब तुम पढ़ रही हो!
मुझे नहीं पता था
प्रेम हमारे बीच नहीं
हमारे दु:खों के बीच है।

**- राजेश्वर वशिष्ठ**

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

# सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 01 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

# आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे शुभांशु

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन एयरफोर्स के ऑफीसर शुभांशु शुक्ला को नासा के एग्जियम मिशन 4 के लिए पायलट चुना गया है। जल्द ही वे स्पेस एक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएंगे। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे। यह मिशन 14 दिन तक चलेगा। इसके तहत रिसर्च की जाएगी। शुभांशु इसरो के मिशन गगनयान के लिए ट्रेनिंग ले रहे है। मिशन की कमांड पैगी व्हिटसन संभालेंगी । शुभांशु पायलट होंगे। इनके साथ मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोज उजनांस्की-विश्निवस्की और तिबोर कापू अप्रैल और जून 2025 के बीच एग्जियम मिशन-4 पर

● **स्पेस एक्स ड्रैगन के पायलट बनेंगे, कहा-अंतरिक्ष में योग करूंगा, 14 दिन रिसर्च करेगा मिशन**

जाएंगे। मिशन में भारत के अलावा पोलैंड-हंगरी के एस्ट्रोनॉट्स भी कमांडर पैगी व्हिटसन- पैगी ने ×-2 मिशन की कमांडर

के रूप में काम किया है। पैगी ने नासा के एक मिशन में 675 दिन काम किया हैं। वे अमेरिका की सबसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं। पायलट शुभांशु शुक्ला- शुभांशु भारतीय वायुसेना में पायलट हैं। उन्हें इसरो के गगनयान मिशन के लिए चुना गया है। यह भारत का अंतरिक्ष में पहला मैन्ड मिशन है। मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोज उज्नान्सकी-विज्निएव्स्की- पोलैंड के स्लावोज इंजीनियर रह चुके हैं। स्लावोज यूरोपियन स्पेस एजेंसी के एस्ट्रोनॉट रिजर्व क्लास ऑफ 2022 के सदस्य हैं। मिशन स्पेशलिस्ट तिबोर कापू- कापू हंगरी के एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं, जो स्पेस रेडिएशन प्रोटेक्शन में महारत रखते हैं। 2023 में वे हंगेरियन-टु-ऑर्बिट के लिए चुने गए थे। शुभांशु बोले- अंतरिक्ष में योग करूंगा, तस्वीरें लाऊंगा नाम के ऐलान के साथ ही एग्जियम मिशन 4 पर नासा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें पायलट शुभांशु ने कहा कि जो मिशन आ रहा है उसमें मैं अपने साथ कुछ इंडियन फूड लेकर जाऊंगा, जो अपने साथियों को भी खिलाऊंगा।

## मणिपुर को सुलगाने के पीछे आतंकी पन्नू भी शामिल

### चिंता बढ़ाने वाली है यह रिपोर्ट ईसाइयों को उकसा रहा पन्नू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका में रह रहे आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू से जुड़ा संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पूर्वोत्तर को सुलगाने की कोशिश कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने अपने नोट में बताया है कि एसएफजे मणिपुर में ईसाइयों को उकसाने में लगा है और अलगाववाद को बढ़ावा दे रहा है। एसएफजे एक आतंकी संगठन है जिस पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। पन्नू खुद को उसका कानूनी सलाहकार कहता है। इतना ही

नहीं, नोट में ये भी बताया गया है कि एसएफजे सेना में शामिल सिखों को भी सेना छोड़ने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहा है। एजेंसियों के तरफ से तैयार ये नोट केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से बुधवार को जारी 290 पेज के एक ट्राइब्यूनल आदेश का हिस्सा था। इस महीने की शुरुआत में ट्राइब्यूनल ने ऐक्ट 1967 के तहत एसएफजे पर 5 साल के प्रतिबंध को बरकरार रखा था। नोट में कहा गया है कि सिख फॉर जस्टिस मणिपुर में ईसाइयों को भारत से अलग होने के लिए उकसा रहा है।

## पुंछ में घुसपैठ नाकाम, सुरक्षाबलों ने 2 आतंकी मारे

### एक पीओके की तरफ भागा एलओसी पर सर्च ऑपरेशन जारी

**जम्मू (एजेंसी)।** कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ को नाकाम कर 2 आतंकियों को मार गिराया। आतंकी एलओसी से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। जब सुरक्षाबलों ने रोका तो फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। हालांकि एक आतंकी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भाग गया। जम्मू के सिक्योरिटी स्पोक्स पर्सन ने बताया कि घटना देर शाम की है। पुंछ जिले

के खारी करमारा इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच 19 जनवरी की शाम को भी हुई थी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों की घेराबंदी की थी। हालांकि दोनों भागने में कामयाब रहे थे। सुरक्षाबलों को आतंकवादियों का इनपुट मिला था। पुलिस ने बताया था कि इनपुट के आधार पर सुरक्षाबल सोपोर के जालोरा गुज्जरपति में सर्च ऑपरेशन कर रहे थे। इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबल के जवानों पर फायरिंग कर दी। दोनों ओर से फायरिंग के बाद आतंकी भागने में कामयाब रहे।

## पारंपरिक जापानी स्थापत्य और बौद्ध संस्कृति का प्रतीक है किंकाकूजी स्वर्ण मंदिर : मुख्यमंत्री

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ . मोहन यादव ने जापान यात्रा के चौथे दिन क्योटो स्थित विश्व प्रसिद्ध किंकाकूजी (स्वर्ण मंदिर) का भ्रमण किया। पारंपरिक जापानी स्थापत्य और बौद्ध संस्कृति का प्रतीक यह मंदिर अपनी सोने की परतों से ढंकी भव्य संरचना और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया और जापानी संस्कृति में इसकी ऐतिहासिक महत्ता को करीब से समझा।

मुख्यमंत्री डॉ . यादव ने मंदिर के सामने स्थित क्योकाची तालाब के किनारे कुछ समय बिताया , जहां मंदिर की झलक पानी में प्रतिबिंबित होकर एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रही थी। उन्होंने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें सिर्फ स्थापत्य कला का उदाहरण नहीं होतीं , बल्कि वे एक सभ्यता की आत्मा को दर्शाती हैं। जापान ने अपनी संस्कृति को सहेजने का जो प्रयास किया है, वह प्रशंसनीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जापान यात्रा सिर्फ सांस्कृतिक आदान - प्रदान तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने जापानी धरोहर संरक्षण, पर्यटन विकास और वास्तुकला के नवाचारों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भी अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है और जापान से इस दिशा में बहुत कुछ सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ . यादव की जापान यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और औद्योगिक संबंधों को और अधिक सशक्त बनाना है। भ्रमण के दौरान उन्होंने जापान की परंपरागत और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखने की नीति को भी सराहा।

### मुख्यमंत्री ने जापान में ऐतिहासिक टेम्पल्स और कैसल का किया भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान दौरे के चौथे दिन क्योटो में ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को समझने और मध्यप्रदेश के साथ संभावित सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से प्रसिद्ध निजो-जो कैसल, शेंजुशेंगेन्डो और टोजी टेम्पल का भ्रमण कर दर्शन किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्योटो स्थित निजो-जो कैसल का अवलोकन किया, जो जापान की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर और स्थापत्य कला का प्रतीक है। उन्होंने इस दौरान जापान की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसके प्रबंधन से जुड़े पहलुओं को भी जाना। इसके साथ ही, उन्होंने शेंजुशेंगेन्डो मंदिर में दर्शन किए, जो अपनी अनूठी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान और मध्यप्रदेश के बीच सांस्कृतिक और औद्योगिक संबंध पहले से ही सुदृढ़ हैं इन्हें और अधिक प्रगाढ़ करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए आयाम तलाशे जा रहे हैं, जिससे पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान की ऐतिहासिक संरचनाओं और उनके संरक्षण के अनुभव से सीखकर मध्यप्रदेश के पर्यटन और धरोहर स्थलों के विकास में नवाचार लाया जा सकता है। उन्होंने इस दौरे को प्रदेश के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

## बेचारी महिला, बोल भी नहीं पा रही थीं

● **राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलीं सोनिया गांधी**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद के बजट सत्र की शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार की योजनाओं को रेखांकित किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण में किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया गया। हालांकि, विपक्ष को उनकी यह बात रास नहीं आई। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने शुक्रवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राष्ट्रपति अंत तक बहुत थकी हुई नजर आ रही थीं। सोनिया गांधी ने कहा,वह बहुत थकी हुई लग रही थीं, अंत में मुश्किल से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। इससे इतर, सोनिया गांधी के बेटे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी राष्ट्रपति के भाषण को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी और इसे बोरिंग बताया। राहुल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का भाषण अत्यधिक उबाऊ था और इसमें कुछ नया नहीं था। कांग्रेस नेताओं के इन बयानों के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई।

## गुजरात के सोमनाथ में पहली बार नहीं होगा उर्स

### सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मुस्लिम पक्ष की याचिका

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के सोमनाथ में उर्स की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। एक याचिका में गिर सोमनाथ जिले में ध्वस्त की जा चुकी दरगाह पर एक से तीन फरवरी तक 'उर्स' आयोजित करने की अनुमति मांगी गई थी। जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया कि सरकारी जमीन पर मंदिरों समेत सभी अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है। कई दशकों बाद ऐसा होगा जब सोमनाथ के पास होने वाला उर्स आयोजित नहीं होगा। मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि सालों से उर्स होता आया है लेकिन प्रशासन ने इजाजत देने से इन्कार कर दिया है। वकील ने कहा कि वहां इसके लिए दलील दी गई कि वहां पर कोई दरगाह नहीं है।

## बिहार में मुस्लिम वोट को लेकर शुरू हुआ 'खेला'

### भाजपा को छोड़ कर हर दल मुस्लिम वोटों का दावेदार

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में 90 के दशक की दस्तक के पहले मुस्लिम वोटर ज्यादातर कांग्रेस के पक्ष में जाते रहे। लालू यादव के उदय और आरजेडी की स्थापना के बाद बड़ी तेज गति से मुस्लिम वोट कांग्रेस से कट गए। कांग्रेस से जो वोट छिटके, वे आरजेडी के पास चले गए। अयोध्या में राम मंदिर का संकल्प लेकर रथयात्रा पर निकले लाल कृष्ण आडवाणी को अरेस्ट कर लालू यादव ने मुसलमानों पर जादू कर दिया। बाद में मुस्लिम वोटर पर नीतीश कुमार के जेडीयू ने जबरदस्त पकड़ बना ली। 20वीं सदी में प्रवेश के साथ ही बिहार के मुस्लिम वोटर अपने-अपने हितैषी दलों- आरजेडी और जेडीयू में बंटते रहे। किसी के पास अधिक गए तो किसी के पास कम। मुस्लिम वोटों का इल्म सबसे अधिक लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार को रहा है। लालू ने मुस्लिम वोटों की ताकत समझ कर नब्बे के दशक में जिस मुस्लिम-यादव समीकरण की नींव रखी, वह अब तक उसकी वास्तविक ताकत बनी हुई है। आरजेडी से अलग हो चुकीं सिवान के मरहूम सांसद शहाबुद्दीन की बेवा हिना शहाब और उनके बेटे ओसामा की आदरपूर्वक आरजेडी में अगर लालू-तेजस्वी ने पुनर्वापसी उसी मुस्लिम-यादव समीकरण को ध्यान में रख कर कराई। लालू यादव अगर दूरदृष्टा रहे तो नीतीश कुमार उनसे भी बड़े तीरंदाज निकले। गुजरात दंगों से तब दागदार बना दिए गए नरेंद्र मोदी का विरोध कर उन्होंने मुसलमानों की दुखती नस सहला दी। आरजेडी को अपना हितैषी और लालू यादव को अपना मसीहा मानते आए मुसलमान नीतीश के इस दांव से भरभराकर उनके साथ आ गए। लालू से अधिक उन्हें नीतीश कुमार इसलिए आकर्षक लगे कि भाजपा के साथ रह कर भी उन्होंने उसके बड़े नेता को बिहार में 2014 के पहले तक घुसने नहीं दिया। बाढ़ राहत के लिए आए उनकी मदद के पैसे लौटा दिए। मुस्लिम वोट किसी को कम या अधिक भले जाते रहे, लेकिन एकमुश्त कभी किसी को नहीं मिले। हालांकि नीतीश कुमार इनके वोट झटकने वालों में आगे रहे। नीतीश ने मुसलमानों के कल्याण-उत्थान के लिए काम भी किए हैं। लालू यादव उनके वोट भले लेते रहे, लेकिन उनके उत्थान के लिए कुछ नहीं किया। लालू के जेल जाना पक्का हो जाने पर अब्दुल बारी सिद्दीकी को सीएम बनाने की चर्चा चली भी, लेकिन लालू ने राबड़ी देवी को सीएम बनवा दिया। दूर की छोड़ दें, इसी बार लोकसभा चुनाव में लालू ने तकरीबन 18 फीसद आबादी वाले सिर्फ दो मुसलमानों को टिकट दिया, जबकि वे मुस्लिम-यादव समीकरण का ढोल खूब पीटते हैं। इससे नाराज होकर आरजेडी के मुस्लिम नेता और राज्यसभा के पूर्व सदस्य करीम ने पार्टी ही छोड़ दी। अभी वे जेडीयू में हैं। हिना शहाब भी बागी बन कर सिवान में आरजेडी के खिलाफ निर्दलीय उतर गईं। पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में मुस्लिम वोट एकमुश्त ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को मिले थे। बिहार में ऐसा अब तक नहीं हो पाया है। मुस्लिम वोटों के दावेदार बिहार के कई राजनीतिक दल हैं।

### ओवैसी और पीके के मुस्लिम वोट पर दावे

एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी मुस्लिम वोटों के भरोसे ही बिहार में अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी पर्टी के पांच विधायक चुने गए थे, जिनमें चार को आरजेडी ने झटक लिया। सीमांचल के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में ओवैसी की खासा पकड़ है। मुस्लिम वोटों पर दावेदारी जन सपराज के नेता प्रशांत किशोर भी जताते हैं। मुस्लिम वोटों के लिए उन्होंने राजनीति में उनका सियासी हक देने का वादा किया है। वे इस बार विधानसभा चुनाव में दूसरों से अधिक मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का दावा कर रहे हैं। ऐसे में बिहार के मुस्लिम वोटर एकतरफा किसी को वोट करेंगे, इसमें संदेह है। ऐसा होने पर भाजपा को ही लाभ होगा, इसमें दो राय नहीं हो सकती।

## पंजाब में हादसा, 11 की मौत

● *धुंध में कैंटर-पिकअप की हुई टक्कर, 11 लोग घायल*

● *सड़क किनारे बिखरी रहीं लाशें, बिलखते दिखे परिजन*

**फिरोजपुर (एजेंसी)।** पंजाब के फिरोजपुर में सुबह करीब 8 बजे एक बोलेरो पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 11 लोग घायल हो गए। यह हादसा फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव मोहन के उताड़ के पास हुआ। हादसे के वक्त पिकअप में 25 से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें से मरने वालों की लाशें सड़क किनारे बिखरी पड़ी मिलीं। जबकि, जख्मी लोगों को पुलिस ने राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आशंका जताई है कि हादसा धुंध के कारण हुआ है। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, इसे लेकर फिरोजपुर की डीसी दीपशिखा शर्मा ने कहा है कि सभी घायलों का इलाज जिला प्रशासन की ओर से करवाया जा रहा है। इनकी पूरी देखभाल की जाएगी। जबकि, एसपी गौरव यादव ने भी पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। क्राइम सीन पर जांच के लिए पहुंचे इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह बराड़ ने बताया है कि सुबह घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सड़क सुरक्षा फोर्स (एसएसएफ) की टीमें पहुंच गई थीं। मौके पर पहले से ही काफी लोग जमा था। उनकी सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, मौके पर जाम भी लगा हुआ था, जिसे

क्लियर कराया गया। उन्होंने बताया है कि बोलेरो पिकअप में मजदूर सवार थे। वे फिरोजपुर से देहात एरिया की ओर जा रहे थे। इस दौरान पिकअप बेकाबू हो गई, जिससे पीछे से आ रहे कैंटर के साथ हादसा हो गया।

## दिल्ली में एक साथ 7 विधायकों का इस्तीफा

● **चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। वोटिंग से पांच दिन पहले पार्टी के 7 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है। पार्टी ने इन सातों विधायकों का टिकट काट दिया था जिसको लेकर इनमें नाराजगी थी। राजेश ऋषि, नरेश यादव और रोहित कुमार महरौलिया, भावना गौड़, मदन लाल समेत 7 विधायकों ने शुक्रवार को इस्तीफे का ऐलान कर दिया। जनकपुरी से दो बार के विधायक राजेश ऋषि ने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। टिकट कटने से नाराज चल रहे राजेश ऋषि ने अरविंद केजरीवाल को भेजे इस्तीफे में आरोप लगाया कि पार्टी मूल सिद्धांतों को त्यागकर भ्रष्टाचार में डूब गई है। उन्होंने यह भी लिखा है कि संतोष कोली के बलिदान के साथ गलत व्यवहार किया गया। संतोष कोली के हत्यारे को टिकट दिया गया, यह पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ विश्वासघात है। उन्होंने पार्टी में भाई–भतीजावाद किए जाने का भी आरोप लगाया है।

## कांग्रेस के शाही परिवार ने राष्ट्रपति का किया अपमान

### ये खुद को देश का और आप-दा वाले दिल्ली का मालिक समझते हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में रैली की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार देश ने

फिर देखा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया। उनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है, लेकिन उन्होंने बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति ओडिशा आदिवासी परिवार से निकलकर यहां तक पहुंची हैं।

● **आप–दा वालों के हर घोटाले की जांच होगी** –दिल्ली में घोटाले करके ये आप–दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। विधानसभा के पहले सत्र में ही सीएजी रिपोर्ट टेबल होगी। इसमें आप–दा सरकार के घोटालों का जिक्र है। हर भ्रष्टाचार की जांच होगी। पिछले सालों में आप–दा वालों ने इन्फ्रास्ट्रक्चर बजट नहीं बढ़ाया है। इस साल भी उन्होंने इसके लिए फंड नहीं दिया। ये जनता का पैसा जनता के विकास के लिए नहीं बल्कि अपना प्रचार करने में खर्च करते हैं। ये टीवी पर, अखबारों में, सड़कों के किनारे अपने चेहरे चमकाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, लेकिन आपकी गली, नाली, सीवर, सड़क, पाइपलाइन, इनको बनाने के लिए आप–दा वाले पैसा नहीं देते।

# तीन सीवियर कोल्ड-डे में बीत गया जनवरी

## आखिरी 15 दिनों में सामान्य से ज्यादा रहा तापमान, फरवरी के पहले हफ्ते में पड़ेगी ठंड

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर में इस बार जनवरी माह में ठंड का खास असर देखने को नहीं मिला। पूरे महीने में केवल तीन दिन सीवियर कोल्ड डे रहे, जब ठंड ने थोड़ी कंपकंपी जरूर मचाई। 17 जनवरी के बाद से ठंड कमजोर पड़ गई और दिन-रात के तापमान सामान्य से अधिक ही रहे। आज माह का आखिरी दिन है, और सुबह से ही तेज धूप खिली हुई है। पिछले 10 दिनों से मौसम हर दिन बदल रहा है। बुधवार को दिनभर गर्मी का एहसास हुआ, जब तापमान 30.6 डिग्री तक पहुंच गया था। गुरुवार सुबह हल्की ठंडक महसूस हुई और दिन का तापमान 2.3 डिग्री गिरकर 28.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा रहा। गुरुवार रात का तापमान भी 1 डिग्री गिरकर 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक था। बीते पांच-छह दिनों से ठंड लगभग खत्म हो गई है। केवल रात से तड़के के बीच ही ठंड का हल्का एहसास हो रहा है। हालांकि, मौसम

वैज्ञानिकों का कहना है कि फरवरी के पहले सप्ताह में ठंड फिर से लौट सकती है। मध्य प्रदेश में फरवरी के पहले सप्ताह में ठंड का एक और दौर आने की संभावना है, हालांकि कड़ाके की ठंड नहीं पड़ेगी। इंदौर में भी ठंड का असर सामान्य ही रहेगा।मौसम वैज्ञानिक वी.एस. यादव के मुताबिक, अगले चार दिनों में दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन इनका प्रभाव प्रदेश में कम रहेगा। 1 और 3 फरवरी को यह पश्चिमोत्तर भारत को प्रभावित करेंगे, लेकिन मध्य प्रदेश में इसका असर सीमित रहेगा। मुख्य रूप से राजस्थान में इनकी प्रभावशीलता अधिक होगी। प्रदेश में हल्की ठंड महसूस हो सकती है, लेकिन तापमान में कोई बड़ी गिरावट नहीं होगी।

### अभी यह सिस्टम

अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस पूर्वी अफगानिस्तान और निकटवर्ती क्षेत्रों में चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में एक्टिव है। एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम पश्चिमी राजस्थान के ऊपर है। उत्तर-पूर्व भारत में 12.6 किमी की ऊंचाई पर 268 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवा भी चल रही है। हालांकि, प्रदेश में इसका असर कम ही रहेगा। इस बार जनवरी माह में 7, 12 और 13 जनवरी के दिन ऐसे रहे जब दिन और रात को काफी ठंड रही। इस दौरान दिन का तापमान सामान्य से 7 डिग्री कम और रात का तापमान सामान्य से 4 डिग्री तक कम रहा।

# इंदौर में आंखों के डॉक्टर से 30 लाख की ठगी

## क्लिनिक के लिए इक्विपमेंट खरीदने किया पेमेंट, नहीं मिली डिलीवरी

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के पलासिया में एक आंखों के डॉक्टर के साथ धोखाधड़ी हो गई। वॉट्सऐप पर संपर्क कर 'केयर ग्लोबल इंडिया' नाम की कंपनी ने उनसे ठगी की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पलासिया पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर महेश अग्रवाल का 'श्री गणेश नेत्रालय' नाम से क्लिनिक है। उन्होंने बताया कि क्लिनिक के लिए उन्हें ऑप्थेलमोलॉजी उपकरणों की जरूरत थी, जिसके लिए उन्होंने परिचितों से संपर्क किया।

इस दौरान राकेश कौल, निवासी आदित्य सिटी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद ने उनसे वॉट्सऐप पर संपर्क किया। राकेश ने खुद को 'केयर ग्लोबल इंडिया' नामक कंपनी का संचालक बताया। इसके बाद उपकरणों को लेकर बातचीत हुई, जिसमें डॉक्टर ने 5 लाख रुपए कोटक महिंद्रा बैंक के खाते में जमा किए। बाद में उन्होंने 40 लाख रुपए का लोन लिया

और 19 लाख रुपए राकेश कौल की कंपनी को दिए। इसके बाद एक और बार 5 लाख रुपए का भुगतान किया गया। लेकिन एक साल बीतने के बाद भी राकेश कौल ने उपकरण नहीं दिए। इसके बाद डॉक्टर अग्रवाल ने राकेश से मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। फिर उन्होंने ईमेल और पत्र भेजे, यहां तक कि वकील के माध्यम से कानूनी नोटिस भी भेजा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। आखिरकार, उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने जांच कर आरोपी पर केस दर्ज किया।

# डॉग शेल्टर होम संचालिका से रेप

## पीड़िता का आरोप– रुपए लेकर भागा, जॉब मांगने के दौरान हुई थी पहचान

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के तेजाजी नगर पुलिस ने एक डॉग शेल्टर होम चलाने वाली महिला की शिकायत पर रेप के मामले में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि आरोपी यहां जॉब करने के बहाने पहुंचा। इसके बाद पीड़िता का रेप कर वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करते रहा। बाद में वह शेल्टर होम से रुपए लेकर भाग गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। तेजाजी नगर पुलिस ने 34 साल की महिला की शिकायत पर पवन कुमार गुप्ता निवासी बिहार पर केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक अक्टूबर 2024 में पवन ने कॉल किया। जॉब के लिए बात की। बातचीत में खुद को पशु प्रेमी होने की बात कही। शेल्टर होम में वॉलेंटियर की जरूरत होने पर 10 हजार रुपए महीने में उसे साथ रखा लिया। 21 नवंबर तक उसने ठीक से काम किया। 23 नवंबर को अकेला देखकर रात में उसने जबरदस्ती रेप किया। इस दौरान उसने कुछ वीडियो भी बनाए। इस बीच दोनों में कहासुनी हुई तो पवन ने कहा कि वह शादी कर लेगा। इसके चलते यह बात किसी को नही बताई। बाद में पवन ने कई बार सबंध बनाए। पवन ने अपने परिवार से बात की और वहीं शेल्टर होम में झूठी शादी रचा ली। प्रेग्नेट होने पर उसने ऑर्ब्शन की दवाई दे दी। पवन वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रूपए मांगता रहा। 25 दिसंबर को पवन घर से कुछ नकदी लेकर चले गया। इसके बाद उसका पता नही लगा। उसने कॉल किया तो मोबाइल भी बंद कर लिया।

# इंदौर में एमडीएच की बड़ी एंट्री

## डकाच्या में बनेगा नया प्लांट, पोहा और दाल तड़का मसाला यहीं होगा तैयार

**इंदौर (नप्र)।** देश की मशहूर मसाला कंपनी एमडीएच अब इंदौर और उज्जैन में भी अपने प्लांट शुरू करने जा रही है। यहां वेयरहाउस बनाया जा रहा है और प्रॉडक्शन मशीनें लगाई जा रही हैं। जल्द ही मध्य प्रदेश के लोगों को एमडीएच के मसाले स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगे। कंपनी ने कुछ समय पहले इंदौर के लिए खास 'पोहा मसाला' लॉन्च किया था। इसके अलावा, दाल तड़का, मशरूम, दम आलू जैसे कई मसाले भी अब आसानी से उपलब्ध होंगे। इंदौर में चल रही 'ग्लोबल स्पाइस समिट' में एमडीएच का स्टॉल भी लगा है। इस इवेंट में देशभर से मसाला कारोबारी और कंपनियां शामिल हुई हैं।

**102 साल पुरानी मसाला कंपनी–** एमडीएच की शुरुआत महाशय धर्मपाल गुलाटी ने की थी, जो पहले सियालकोट (अब पाकिस्तान) में रहते थे। विभाजन के बाद उन्होंने भारत आकर इस मसाला ब्रांड को खड़ा किया, जो आज देशभर में मशहूर है। अब इंदौर और उज्जैन के लोग भी एमडीएच के ताजे और स्थानीय रूप से बने मसालों का स्वाद ले सकेंगे।एमडीएच की शुरुआत महाशय धर्मपाल गुलाटी ने की थी।

# इंदौर में फिल्मों से सीखने की अनूठी पहल

## श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट में बीबीए छात्रों के लिए एड्युफ्लिक्स प्रतियोगिता, एक्सप्लोरर्स ग्रुप विजयी

**इंदौर(नप्र)।** श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में एक अभिनव शैक्षणिक पहल की गई, जहां बीबीए प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 'एड्युफ्लिक्स - लर्निंग थ्रू मूवीज' प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फिल्मों के माध्यम से शिक्षा को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने फिल्मों का गहन विश्लेषण कर उनसे मिली सीख को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। क्राफ्ट क्रिएशन 3डी एनिमेशन स्टूडियो के संस्थापक और सीईओ विकास तिवारी तथा अनुभवी संचार सलाहकार शिशिर सोमानी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। दोनों निर्णायकों ने छात्रों की रचनात्मकता और प्रस्तुति कौशल की प्रशंसा की। तीन चरणों में आयोजित इस प्रतियोगिता में एक्सप्लोरर्स ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि विक्टोरियस ग्रुप द्वितीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम का संचालन बीबीए के छात्र अर्जुन व्यास और निष्ठा दुचक्के ने किया। संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने इस अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए छात्रों को सिनेमा से सीखने और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

# मेयर केसरी कुश्ती प्रतियोगिता मंत्री विजयवर्गीय करेंगे शिरकत

## महिला-पुरुष वर्गों में विजेताओं को मिलेगा 51 लाख रु. के इनाम

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के छोटा नेहरू स्टेडियम में 31 जनवरी से अखिल भारतीय महापौर केसरी, मध्य प्रदेश महापौर केसरी और इंदौर महापौर केसरी महिला और पुरुष वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मेयर पुष्य मित्र भार्गव पहलवानों की हौसला अफजाई करेंगे। महिला और पुरुष वर्ग में विजेताओं को 51 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। महापौर केसरी कुश्ती के अध्यक्ष नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन शहर की पारंपरिक खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। गुरुवार को मेयर ने दंगल परिसर का निरीक्षण किया और पहलवानों के वजन वर्ग, दंगल प्रक्रिया, दर्शकों की बैठने की व्यवस्था आदि के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक महिला और पुरुष पहलवानों का वजन किया गया। महिला वजन वर्ग 30 किलो से लेकर 60 किलो और पुरुष वजन वर्ग 25 किलो से लेकर 80 किलो तक की अलग-अलग प्रतियोगिताएं होंगी। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले विजेताओं को नकद राशि, गुर्ज, पट्टे और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिताएं सुबह 8 बजे और शाम 4 बजे से आयोजित की जाएंगी।

# घायल लड़की से मिलने पहुंचे जिला अध्यक्ष

## सांवेर में बदमाश ने रेत दिया था गला ;, कहा–आरोपी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर बीजेपी के नए जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा आज अरविंदो अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने घायल युवती से मुलाकात कर उसका हालचाल जाना। चावड़ा ने युवती को हरसंभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि आरोपी पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। कल इंदौर के पास सांवेर में एक बदमाश ने युवती का गला रेत दिया था। आरोपी युवती से जबरन दोस्ती करने का दबाव बना रहा था। पुलिस के अनुसार, घटना सांवेर के वार्ड 12 की है, जहां पायल पुत्री संजय पर अमन शेख नामक युवक ने चाकू से हमला किया। मौके पर मिले बैग से अमन के नाम की किताब बरामद हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पायल चंद्रावतीगंज की रहने वाली है और कुछ दिनों से अपने मामा के घर आई हुई थी।

घटना के समय वह घर के बाहर खड़ी थी, तभी अमन ने अचानक पीछे से आकर उसके चेहरे, हाथ और गले पर चार से अधिक वार किए और भाग गया। अमन शेख मकोडिया गांव का निवासी बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पायल और अमन एक ही कॉलेज में पढ़ते थे, जहां किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी कारण पायल अपने मामा के घर रहने आई थी। पुलिस को जांच में पता चला है कि वारदात के बाद आरोपी बैग छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

### दोस्ती से इनकार करने पर हमला

जानकारी के अनुसार, अमन पिछले तीन साल से पायल को परेशान कर रहा था और जबरन दोस्ती के लिए दबाव बना रहा था। बार-बार इनकार करने के बाद पायल ने यह बात परिवार को बताई, जिसके बाद परिवार ने अमन को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद पायल ने कॉलेज भी छोड़ दिया, लेकिन अमन उसका पीछा करता रहा। हाल ही में, जब पायल अपने मामा के घर आई थी, तब अमन ने अचानक पीछे से आकर चाकू से हमला कर दिया। फिलहाल पायल का इलाज अरविंदो अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है।

# इंदौर में लाभगंगा में क्रेडाई प्रॉपर्टी शो

## 30 से ज्यादा डेवलपर्स होंगे शामिल, 200 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स और ऑफर्स

**इंदौर (नप्र)।** क्रेडाई (कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के इंदौर चैप्टर द्वारा तीन दिवसीय प्रॉपर्टी शो का आयोजन 31 जनवरी से 2 फरवरी तक एमआर-10 स्थित लाभगंगा एग्जीबिशन सेंटर में किया जा रहा है। इस शो में 30 से ज्यादा रियल एस्टेट डेवलपर्स भाग लेंगे और 200 से अधिक प्रोजेक्ट्स के विभिन्न और उत्कृष्ट विकल्पों के साथ आकर्षक ऑफर्स और विशेष सौगातें उपलब्ध रहेंगी। क्रेडाई इंदौर के चेयरमैन निर्मल अग्रवाल ने बताया कि इस प्रॉपर्टी शो में शहरवासियों की पसंद और बजट को ध्यान में रखते हुए लक्ज़री लिविंग विकल्पों और किफायती घरों की शानदार रेंज प्रस्तुत की जाएगी। इस आयोजन के प्रेजेंटिंग पार्टनर एमरल्ड ग्रुप, प्लैटिनम स्पॉन्सर क्लिफ्टन ग्रुप

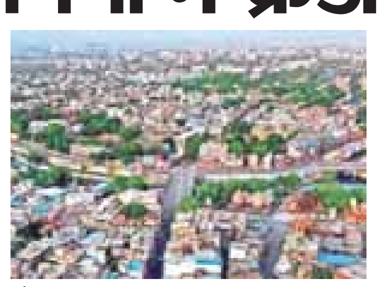

और एनआरसी, डायमंड स्पॉन्सर लाभम ग्रुप और एसएस इंफीनिटस हैं, जबकि अन्य स्पॉन्सर कासा ग्रीन्स और शुभम ग्रुप होंगे।

**क्रेडाई के इस प्रॉपर्टी शो में फाइनेंस संबंधी सुविधाएं भी मिलेगी–** क्रेडाई इंदौर के प्रेसिडेंट संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि क्रेडाई का यह प्रॉपर्टी शो एक अनोखा इवेंट है, जहां शहरवासियों को विभिन्न प्रॉपर्टी विकल्पों के साथ-साथ उनके सपनों को साकार करने के लिए फाइनेंस संबंधी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए इस साल ग्राहक अपना रजिस्ट्रेशन क्रेडाई द्वारा उपलब्ध त्तक्र कोड के माध्यम से कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। सबका अपना घर हो इस उद्देश्य से आयोजित इस शो में यह विश्वास है कि हर ग्राहक को उनकी पसंद की प्रॉपर्टी मिलेगी। क्रेडाई इंदौर के सेक्रेटरी अतुल झंवर के अनुसार, इस प्रॉपर्टी शो में कई रियल एस्टेट कंपनियां अपने प्रोजेक्ट्स के साथ भाग लेंगी, ताकि शहरवासियों को उनकी पसंद की प्रॉपर्टी उपलब्ध कराई जा सके।

**इंदौर में क्रेडाई का विशेष कॉन्क्लेव, रियल एस्टेट के बदलते ट्रेंड पर होगी चर्चा–** 1 फरवरी को आयोजित होने वाला क्रेडाई का विशेष कॉन्क्लेव इंदौर और मध्य प्रदेश के सभी क्रेडाई सदस्यों को अपनी बात रखने के लिए एक प्लेटफार्म प्रदान करेगा। इस कॉन्क्लेव में पेनल डिस्कशन होगा, जहां सभी सदस्य अपने विचार साझा करेंगे और इंडस्ट्री के विशेषज्ञ अपने अनुभवों से मार्गदर्शन करेंगे। इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य रियल एस्टेट इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड्स पर चर्चा करना है। विशेष सत्र में विकास की तकनीक, उभरते भारत और प्रॉपर्टी इंडस्ट्री में हो रहे बदलावों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

# ग्राफिक्स डिज़ाइनर युवती से छेड़छाड़

## 3 साल की दोस्ती तोड़ी तो नाराज हुआ युवक, शिकायत पर मामला दर्ज

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के पलासिया में एक युवती के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। पीड़िता 23 साल की ग्राफिक्स डिजाइनर है और आरोपी उसका 3 साल पुराना दोस्त है। युवती ने पुलिस को बताया कि उसने कुछ समय पहले दोस्ती तोड़ दी थी, लेकिन आरोपी उसे बार-

बार परेशान कर रहा था। युवती ने शिकायत में कहा कि जब वह होस्टल से ऑफिस के लिए निकलती, तो आरोपी उसका पीछा करता था। गुरुवार को जब वह ऑफिस जा रही थी, आरोपी ने रास्ते में आकर उसका हाथ पकड़ लिया और कहा कि वह क्यों बात नहीं करती। युवती ने चिल्लाया तो आरोपी ने कहा कि वह जहर खाकर मर जाएगा और उसका नाम लिखेगा। इस घटना के बाद युवती ने अपनी सहेली को बताने के बाद थाने जाकर पुलिस से मदद मांगी। पुलिस ने आरोपी निर्मल गुर्जर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इसके अलावा, पलासिया में ही एक तलाकशुदा महिला के साथ भी छेड़छाड़ की घटना हुई है। महिला ने मुकेश सैनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि आरोपी उसका पड़ोसी है और उसे अकेला जानकर वह लगातार उसे परेशान करता था। आरोपी ने एक बार महिला का पीछा करते हुए उसे अश्लील हरकतों का शिकार बनाया और छत के रास्ते ऊपर जाकर भी गलत व्यवहार किया।

# स्वच्छता सर्वेक्षण में पहली बार स्कूल भी होंगे शामिल

## इंदौर में 1200 विद्यालय मूल्यांकन के दायरे में, नगर निगम की बढ़ी जिम्मेदारी

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर को इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में अच्छे अंक लाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। अगर शहर के स्कूलों में गीले-सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन नहीं मिले, तो अंकों में कटौती होगी। पहली बार, भारत सरकार ने स्कूलों की स्वच्छता को स्वच्छता सर्वेक्षण में शामिल किया है, जिससे नगर निगम के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है।

### स्कूलों की सफाई के लिए 400 अंक निर्धारित

फरवरी से शुरू होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण में स्कूलों की सफाई के लिए 400 अंक निर्धारित किए गए हैं। अगर सर्वेक्षण के दौरान स्कूलों में सफाई व्यवस्था निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिली, तो शहर की रैंकिंग प्रभावित होगी। इंदौर, जो लगातार सात बार स्वच्छता में शीर्ष स्थान पर रहा है, में कुल 1,200 स्कूल हैं, जिनमें 80 शासकीय और 1,120 गैर-शासकीय स्कूल शामिल हैं। सभी स्कूल स्वच्छता सर्वेक्षण के दायरे में हैं और नगर निगम ने इनका डेटा

अपलोड कर दिया है।

### स्कूलों पर रहेगा सर्वेक्षण टीम का खास ध्यान

स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम इस बार सबसे ज्यादा फोकस स्कूलों पर रखेगी। भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण में पहली बार स्कूलों को शामिल किया गया है, जिससे स्कूली बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

### तीन कैटेगरी में बंटे 400 अंक

स्वच्छता सर्वेक्षण में स्कूलों की सफाई को तीन कैटेगरी में बांटा गया है

**स्कूलों की स्वच्छता** - 100 अंक
**स्कूलों में अपशिष्ट प्रबंधन** - 150 अंक
**शौचालयों का रखरखाव** - 150 अंक

स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत स्कूलों में शौचालयों की सफाई, प्रत्येक कक्षा में गीले-सूखे कचरे के लिए अलग कूड़ेदान, छात्राओं के लिए सैनिटरी नैपकिन और उनके निपटान की व्यवस्था को भी अंक दिए जाएंगे।

### स्कूलों की सफाई परीक्षा इन मापदंडों पर होगी

क्या लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय संचालित स्थिति में हैं? (50 अंक)

क्या शौचालयों में प्राकृतिक प्रकाश, उचित वेंटिलेशन और सुरक्षित दरवाजे हैं? (50 अंक)

क्या मल कीचड़ के निपटान के लिए सुरक्षित सिस्टम अपनाया जाता है? (50 अंक)

40, 35, 35, 40 अंकों के चार बड़े सवाल

क्या स्कूल नगरपालिका द्वारा अंतिम संग्रहण से पहले गीला और सूखा कचरा अलग करता है? (40 अंक)

क्या प्रत्येक कक्षा, रसोई और अन्य स्थानों पर गीले-सूखे कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदान हैं? (35 अंक)

क्या मासिक धर्म अपशिष्ट के निपटान के लिए ढक्कन वाले और विशिष्ट रंग के कूड़ेदान हैं? (35 अंक)

क्या स्कूल अपने जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट से खाद बनाता है? (40 अंक)

**नगर निगम के लिए नई चुनौती–** अगर स्कूलों में गंदगी या सफाई से जुड़ी कमियां मिलीं, तो नगर निगम को माइनस अंक मिलेंगे, जिससे शहर की रैंकिंग प्रभावित हो सकती है। इस बार स्कूलों की सफाई पर खास जोर रहेगा, ताकि बच्चों में स्वच्छता की आदतें विकसित की जा सकें।

संपादकीय

# आर्थिकी की बेहतर तस्वीर

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने अपने लगातार आठवें आम बजट की प्रस्तुति के एक दिन पहले प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के आर्थिक सर्वेक्षण में देश की अर्थव्यवस्था की बेहतर तस्वीर पेश की है। इसके मुताबिक आगामी वित्तीय वर्ष में भी वास्तविक सकल घरेलू उत्पादन( जीडीपी) 6.3 से 6.8 फीसदी के बीच रह सकती है। यह वृद्धि दर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के जीडीपी अनुमान के आसपास लेकिन विश्व बैंक के जीडीपी अनुमान से कुछ कम है। संतोष की बात यह है कि भारत कोविड महामारी के पूर्व आर्थिक रफ्तार की स्थिति में आ चुका है। इसका सीधा मतलब है कि तमाम वैश्विक व घरेलू चुनौतियों के बाद भी भारत की आर्थिकी की गति संतोषजनक ढंग से कायम है। हालांकि यह दर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दावे को हकीकत में बदलने के लिए जरूरी जीडीपी वृद्धि दर 8 फीसदी से काफी कम है। यानी हमें वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के लिए अभी काफी कुछ करना होगा। गौरतलब है कि आर्थिक सर्वेक्षण एक वार्षिक दस्तावेज है, जिसे सरकार द्वारा केंद्रीय बजट से पहले अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए प्रस्तुत किया जाता है। यह दस्तावेज अर्थव्यवस्था की अल्पावधि से मध्यम अवधि की संभावनाओं को तथा देश की माली हालत को भी बयान करता है। उल्लेखनीय है कि आर्थिक सर्वेक्षण तैयार करने का काम वित्त मंत्रालय के अंदर एक डिपार्टमेंट इकोनॉमिक अफेयर्स के जिम्मे होता है। इस विभाग के अधीन एक इकोनॉमिक डिवीजन है। यही इकोनॉमिक डिवीजन चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर यानी सीईए की देख-रेख में इकोनॉमिक सर्वे तैयार करती है। इस वक्त सीईए डॉ. वी अनंत नागेश्वरन हैं। हालांकि सरकार सर्वे को पेश करने और इसमें दिए गए सुझावों या सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य नहीं है। अगर सरकार चाहे तो इसमें दिए सारे सुझावों को खारिज कर सकती है। फिर भी इसकी अहमियत है, क्योंकि इससे बीते साल की अर्थव्यवस्था का लेखा-जोखा पता चलता है। 1950-51 में पेश हुआ था पहला इकोनॉमिक सर्वे भारत का पहला इकोनॉमिक सर्वे 1950-51 में केंद्रीय बजट के एक भाग के रूप में पेश किया गया था। हालांकि, 1964 के बाद से, सर्वे को केंद्रीय बजट से अलग कर दिया गया। तब से, बजट पेश करने से ठीक एक दिन पहले इकोनॉमिक सर्वे जारी किया जाता है। केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण के अहम बिंदु हैं। जिनमें मजबूत बाह्य खाता और स्थिर निजी खपत के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत होना, ऊंचे सार्वजनिक व्यय और बेहतर होती कारोबारी उम्मीदों से निवेश गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद शामिल है। इसके अलावा सर्वेक्षण बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक संभावनाएं संतुलित हैं। इसमें चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में खाद्य मुद्रास्फीति के नरम पड़ने तथा खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी की उम्मीद जताई गई है। आर्थिक सर्वेक्षण का एक अहम बिंदु केन्द्र सरकार के जीएसटी संग्रहण में 11 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। सर्वेक्षण बताता है कि बीते दिसंबर में खुदरा महंगाई दर 4 महीने के निचले स्तर पर रही। इस सर्वेक्षण में देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। यह बात अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व में केवल 11 देश ही ऐसे हैं, जिनकी जीडीपी ग्रोथ रेट 6 फीसदी से अधिक है। लेकिन यह सभी छोटे देश हैं। विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर भी 2.8 फीसदी तथा दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिकी चीन की जीडीपी वृद्धि दर भी 4.8 रहने का अनुमान है। हालांकि यह अर्थव्यवस्थाएं भारत की आर्थिकी की तुलना में बहुत बड़ी हैं।

नजरिया

अरुण कुमार त्रिपाठी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे हैं।

# महाकुंभ में पाप-पुण्य के भाव से अलग मैत्री भाव

अपने मित्र और हिंदी के प्रसिद्ध कवि अष्टभुजा शुक्ल ने 'अथ कुंभ कथा' नाम से ऐसा ललित निबंध लिखा जिसे पढ़कर लगा मानो हमने प्रयागराज के संगम पर डुबकी ही लगा ली। वे लिखते हैं, 'जल तो थोड़ा-बहुत हर जगह है, लेकिन कुंभ के महापर्व में वह अमृत में रूपांतरित हो चुका है। अमृत का चखना ही अनंत पुण्य का फल है। आनंद का मेला है। अमरता की तलाश में ही जीवन मैदान में उतरता है।'

उधर, गांधी विचारक चिन्मय मिश्र कहते हैं कि आठवीं सदी में जब कुंभ की शुरुआत हुई तो देश दमन और पराजय की ढलान पर जाने लगा। बौद्धों और जैनियों का दमन और उन्हें देश के लोकजीवन से निष्कासित करना कमजोर भारत की नींव डालने जैसा ही काम था। यह काम किया था, शंकराचार्य ने। संगम पर प्रतीकात्मक डुबकी लगाने के साथ सांस्कृतिक संगम की सरस्वती को लुप्त कर दिया गया। उसी के बाद देश पर विदेशी आक्रमण हुए और गुलामी की शुरुआत हुई।

महाकुंभ को देखने के ये दो विचार हैं। आप इनमें से जिसके साथ जाना चाहें, जा सकते हैं, लेकिन पाप-पुण्य और पराजय के भाव से अलग एक भाव है मैत्री का। कुंभ जाने वालों से यह पूछना चाहिए कि उनके भीतर कितना मैत्री भाव जगा। उस मैत्री भाव के मूल में है एकत्व का भाव। वह एकत्व चाहिए सूर्य से, पृथ्वी से, जल से, अग्नि से, प्राणि मात्र से। यानी जो पंचमहाभूत हैं - क्षिति, जल, पावक, गगन और समीर जिनसे मिलकर इस सृष्टि की रचना हुई है, उसकी एकता की अनुभूति। क्या लोग कुंभ के अवसर पर इस भावार्थ को समझ पा रहे हैं?

भारत और उत्तरप्रदेश आज जिस शत्रुता भाव में डूबता जा रहा है, अपने भीतर ही जिस तरह से पराए ढूंढे जा रहे हैं, जिस तरह से अपनी आजादी के लिए हुए बलिदान को व्यर्थ बताकर उस पर वितंडा खड़ा किया जा रहा है, क्या महाकुंभ के इस आयोजन के बाद जनता और बौद्धिक वर्ग के भीतर से वह भाव कुछ मिटेगा? क्या उसके भीतर समता और समन्वय का भाव जगेगा? या श्रेष्ठता और अलगाव का भाव पैदा होगा? अगर उसमें अलगाव और श्रेष्ठता भाव मिटेगा तो समझिए कि उसने कुंभ में अमृत चखा और अगर बढ़ेगा तो समझ लेना चाहिए कि उसने अमृत समझकर विष चखा है।

अगर इस महाकुंभ से हिंदू संस्कृति की श्रेष्ठता का भाव निकलता है और वह दूसरी संस्कृतियों या संप्रदायों को हेय मानने की भावना से ग्रसित होता है तो समझना चाहिए कि लोगों ने कुंभ का सही संदेश नहीं लिया है। वे निजी स्वार्थ, सांगठनिक स्वार्थ, सांप्रदायिक स्वार्थ और सामुदायिक स्वार्थ को साधने की तलाश में कुंभ गए और लौट आए। इससे न तो भारत का कल्याण हो पाएगा और न ही विश्व का।

अगर यह महाकुंभ हिंदू धर्म की सत्य और अहिंसा की संस्कृति को समझाने, प्रकट कराने और उस अमृत को चखाने में सफल होता है तो कहा जा सकता है कि इसकी सार्थकता है। अगर वह झूठ गढ़ने, अंधविश्वास बढ़ाने, राज्य की हिंसक प्रवृत्ति और सांप्रदायिक वैमनस्य की भावना फैलाने का उद्देश्य पूरा करने का साधन बनता है तो उसकी सफलता संदिग्ध है और उसी के साथ संदिग्ध होती है भारत की अमरता और शास्वत होने की धारणा।

हिंदू की पहचान बताते हुए 'माधव दिग्विजय' नामक ग्रंथ में उल्लेख है - 'ओंकार जिसका मूल मंत्र है, पुनर्जन्म में जिसकी दृढ़ आस्था है, भारत ने जिसका प्रवर्तन किया है तथा हिंसा की जो निंदा करता है, वह हिंदू है।' इसी बात को विनोबा भावे अलग ढंग से कहते हैं। उनका मानना है कि 'अहिंसा-प्रियता हिंदू होने का मुख्य लक्षण है।' वास्तव में भारत जिसको दुनिया के लिए अपना विशिष्ट संदेश मानता है, जिसके कारण वह दुनिया की पवित्र भूमि होने का दावा कर सकता है, वह है ङ्क 'वसुधैव कुटुंबकम' यानि समस्त संसार एक परिवार है का संदेश। यही संदेश मैत्री का संदेश है, यही संदेश बंधुता, सत्य और अहिंसा का संदेश है।

सत्य और अहिंसा का संदेश अरबों रुपए खर्च करके करोड़ों लोगों के स्नान का दावा करने में नहीं है। वह सत्य की तलाश के नाम पर अल्पसंख्यक बहुल आबादी और शहरों के बीच मस्जिदों को खोदकर मंदिर निकालने में नहीं है। न ही वह पुलिस प्रशासन द्वारा गदा लेकर अल्पसंख्यकों को भयभीत करने में है। वह संदेश है, सभी में मैत्री और समता का भाव देखने में। यह भाव सरकारों के आयोजनवीर होने की बजाय सहज रूप से मेले में लोगों की जुटान से होता है।

गांधी की हत्या के बाद जब मई 1948 में वर्धा में प्रधानमंत्री नेहरू, राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, जेबी कृपलानी, जयप्रकाश नारायण और विनोबा भावे जैसे कई दिग्गज आगे की रणनीति बनाने के लिए बैठे तो विनोबा भावे ने सर्वोदय समाज का संगठन बनाने और उसके लिए किसी सरकारी आयोजन का विरोध किया था। उनका कहना था कि सर्वोदय मेला लगना चाहिए और उसके लिए कोई फिजूलखर्ची नहीं होनी चाहिए। आज स्थिति उल्टी हो चली है। हर कोई यही पूछ रहा है कि सरकार ने क्या इंतजाम किया है। सरकार यह बताने में करोड़ों रुपए खर्च कर रही है कि उसने क्या इंतजाम किया है। दूसरी ओर तमाम लोग यह बताने में अपना श्रम लगाए हुए हैं कि सरकार ने क्या नहीं किया। इस तरह सरकार एक खास समुदाय की तरफदारी में झुकती जा रही है और बाकी समुदायों की उपेक्षा कर रही है।

यजुर्वेद के एक श्लोक का उद्धरण देते हुए विनोबा भावे कहते हैं - 'मित्र की निगाह से हम दुनिया को देखें और मित्र की निगाह से दुनिया हमें देखे। समाज में सब लोग सखा बनें। परस्पर सहयोग करें, परस्पर खुली चर्चा करें, सामूहिक निर्णय लें और सब मिलकर उस पर अमल करें। इसी का नाम है सख्यभक्ति।' वे आगे कहते हैं कि 'विज्ञान युग में दास्यभक्ति का जमाना चला गया है और सख्यभक्ति का आ गया है।' सवाल उठता है कि क्या हम कुंभ आयोजन के 1200 वर्षों में उस सख्यभाव को निर्मित कर पाए हैं?

यह दौर जातीय और धार्मिक संकीर्णताओं के बढ़ने का और धार्मिक संघर्षों का है। विभिन्न धर्मों की बुनियादी एकता की भावना निरंतर क्षीण हो रही है। भारत की विशेषता रही है कि वहां विभिन्न धर्मों ने मिलकर मानव चित्त की ऐसी खेती की है कि उनका बाह्य मतभेद मिटता रहा है। महाकुंभ के आयोजन में जिस तरह गंगा और यमुना मिलती हैं क्या उसी तरह मिलते हुए जातिगत, लैंगिक, सांप्रदायिक,धार्मिक, भाषाई, वैचारिक मत-मतांतर और राजनीतिक भेदभाव मिट रहे हैं? अगर हां तो निश्चित तौर पर इस कुंभ की सार्थकता है। लेकिन अगर इसमें नए-नए विवादों को खोद निकालने, नए-नए टकराव और कलह के मुद्दे तलाशने और समता और मैत्री के भाव को घटाने का काम हो रहा है तो समझ लीजिए कि महाकुंभ का घट रीता ही रहेगा। (सप्रेस)

मुद्दा

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# शिक्षा का प्रसार के दावे से दूर हकीकत

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में यूपीए के शासन के समय देश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 क़ानून बनाया गया था जिसके तहत, 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा दिये जाने की व्यवस्था है। यह एक मौलिक अधिकार है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत, 6 से 14 साल के सभी बच्चों को यह अधिकार दिया गया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत भी इस अधिकार को सुनिश्चित किया गया है। सवाल कि क्या यह क़ानून धरातल लागू हो भी पा रहा? क्या देश के अधिकांश ग़रीब परिवारों को इस क़ानून की जानकारी भी पहुंचाई जाती है? क्या देश की सरकारें स्कूल्स को वह बुनियादी ढांचा मुहैय्या करा रही हैं जिसकी उन्हें ज़रुरत है? ख़ासकर देश के सरकारी स्कूल्स का क्या हाल है इन को लेकर सरकार की क्या नीयत है?

पिछले दिनों राजस्थान से एक ख़बर आई जिससे पता चला कि राजस्थान की भजनलाल सरकार द्वारा गत मात्र 10 दिनों के भीतर ही लगभग 500 सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी द्वारा गत 16 जनवरी को ही राज्य में 260 सरकारी स्कूल बंद होने का आदेश जारी किया गया। इसी तरह लगभग 10 दिन पहले भी 190 सरकारी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया था। इसी राज्य में कई स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी बच्चे ने एडमिशन नहीं लिया है। वहीं निजी स्कूलों में छात्र-छात्राओं की संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। दूसरी ओर सरकारी स्कूल तमाम कथित प्रयासों के बाद भी लगातार बंद होते जा रहे हैं। इसी तरह यदि मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों पर नज़र डालें तो पता चलता है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 5500 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां पहली कक्षा में एक भी छात्र भर्ती नहीं हुआ है। यानि इन स्कूलों में अब पहली कक्षा ज़ीरो ईयर घोषित की जाएगी। वहीं क़रीब 25 हज़ार स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक या दो बच्चों के एडमिशन ही हुए हैं। प्रदेश में 11,345 स्कूलों में केवल 10 एडमिशन हुए। इसी तरह क़रीब 23 हज़ार स्कूल ऐसे हैं जहां मात्र तीन चार अथवा पांच बच्चों ने ही एडमिशन लिया है । प्राप्त समाचारों के अनुसार अब तक कुल मिलाकर लगभग 500 स्कूल्स में ताला पड़ चुका है। यदि अगले शैक्षणिक सत्र में भी यही हाल रहा तो प्रदेश के हज़ारों सरकारी स्कूल बंद हो जाएंगे। दरअसल इसे आम धारणा कहें या कड़वी सच्चाई कि केवल निजी स्कूलों में ही अच्छी शिक्षा दी जाती है जिसकी वजह से अधिकतर लोग अपने बच्चों का दाख़िला निजी स्कूलों में करवाना ही पसंद करते हैं। यही कारण है कि निजी स्कूल सिस्टम, सरकारी स्कूल सिस्टम पर पूरी तरह हावी हो गया है।

ज़ाहिर है राजस्थान व मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों के स्कूल्स में विद्यार्थियों की घटती संख्या पूरे समाज के लिये चिंता का विषय है। यहाँ प्रथम कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के क़रीब 23 लाख स्कूली छात्र ऐसे हैं, जो शैक्षणिक सत्र 2023-24 पूरा करने के बाद वापस स्कूल नहीं लौटे। आश्चर्य है कि इन बच्चों ने किसी अन्य विद्यालय में भी दाख़िला नहीं लिया है। ज़ाहिर है इतनी बड़ी तादाद में छात्रों का स्कूल छोड़ना अब स्कूल शिक्षा विभाग के लिए परेशानी का सबब बन गया है। अधिकारी इस बात को लेकर मंथन कर रहे हैं कि किस प्रकार छात्रों को वापस स्कूल बुलाया जाए। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की भी भारी कमी है। यहां 80 हज़ार से ज़्यादा अतिथि शिक्षकों को शिक्षण कार्य हेतु लगाया गया है। परन्तु इन अतिथि शिक्षकों के पास न तो बच्चों को पढ़ाने का पर्याप्त अनुभव है और न ही इन्हें विभागीय प्रशिक्षण हासिल है। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति प्रायः इतनी बदहाल है कि अनेक स्कूल्स में आज भी पुस्तकालय, पीने का पानी, बिजली और हाथ थोने तक की बुनियादी सुविधाओं की कमी है। विगत पांच वर्षों में शिक्षकों की संख्या में तथा विद्यार्थियों की भर्ती दोनों में भारी कमी आई है और हज़ारों सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इन बातों से स्पष्ट है कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति को सुधारने में भाजपा सरकार बुरी तरह असफल हुई है और भाजपा के शिक्षा प्रसार के दावे भी महज़ एक जुमला साबित हो रहे हैं। अभिभावक अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन अधिकतर सरकारी स्कूलों में इंग्लिश मीडियम के टीचर ही नहीं हैं। वहीं, सरकारी स्कूल में बच्चों को दिया जाने वाला मध्यान्ह भोजन और निःशुल्क यूनीफ़ॉर्म व किताब वितरण बच्चों को स्कूल तक लाने में कारगर साबित नहीं हो रहे हैं। दूसरी तरफ़ निजी स्कूलों में प्रायः बच्चों की सभी मूलभूत सुविधाओं का ख़याल रखा जाता है।

हाँ, दिल्ली के सरकारी स्कूल्स इस मामले में अपवाद ज़रूर कहे जा सकते हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूल देखने के लिये अनेक विदेशी मंत्री व विशिष्ट व्यक्ति तो आते ही रहते हैं स्वयं अमेरिकी शिक्षक भी दिल्ली का स्कूल मॉडल देखने आते रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका से आए 13 शिक्षकों के एक दल ने दिल्ली के सरकारी स्कूल्स में उपलब्ध सुविधाओं को देखा तथा इनसे बहुत प्रभावित हुये। ग़ौरतलब कि दिल्ली सरकार द्वारा 'स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस' की शुरुआत की गयी है। जहां पर प्रत्येक प्रतिभावान, हर वर्ग, हर परिवारिक पृष्ठभूमि, हर आर्थिक पृष्ठभूमि का छात्र बेहतर शिक्षा हासिल कर सकने में सक्षम है। सरकारी स्कूल्स में शिक्षा की बात तो दूर यदि आप ग़ौर करें तो धीरे धीरे बस अड्डों, रेलवे स्टेशन व अन्य सार्वजनिक स्थलों से भी आहिस्ता आहिस्ता बुक स्टाल्स समाप्त होते जा रहे हैं। हज़ारों सरकारी व निजी पुस्तकालय बंद हो चुके हैं तथा उनके भवनों का दूसरा उपयोग किया जा रहा है। इन हालात को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि सरकार के शिक्षा का प्रसार के दावे और हक़ीक़त में काफ़ी अंतर है।

# चुनाव के केंद्र में व्यक्ति नहीं, दलगत नीतियां हों

दृष्टिकोण

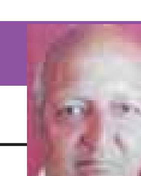

रमेशचंद्र शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

यह बात सौ फीसदी सही है कि राजनीति हर क्षेत्र को प्रभावित करती है। फिर चाहे वह समाज हो,अर्थ हो,इतिहास हो, धर्म हो,कला हो,साहित्य हो अथवा शिक्षा आदि हो। जैसी शासन प्रणाली होगी वैसा सर्वव्यापी प्रभाव होगा। पहले सामंतवाद में राजतंत्रात्मक शासन प्रणाली हुआ करती थी तो वह देश को प्रभावित करती थी।जब तानाशाही शासन प्रणाली आई तो उसके अनुसार देश प्रभावित होने लगे। तानाशाही शासन में दक्षिणपंथी सैन्य तानाशाही देश को प्रभावित करती थी। साम्यवादी देशों में सर्वहारा वर्ग की तानाशाही देश को प्रभावित करती थी।

वर्तमान में जो जनतंत्रात्मक शासन प्रणाली है उसका अपना प्रभाव देश,समाज और जनता पर होता है। मौजूदा जनतंत्र में प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि आम जनता ही जनतंत्र का भाग्य विधाता होती है।मगर ऐसा होता नहीं है जनतंत्र में जनता के हिस्से यह आया है कि पांच साल में वह वोट डाल दे। फिर सभी दल जनता के प्रति यही रुख अपनाते है मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है ? बहरहाल सवाल यह उठता है कि जनता किसे वोट देती है दलीय नीतियों को या व्यक्तियों को? कायदे से जनता को दलीय नीतियों को वोट देना चाहिए। मगर ऐसा होता नहीं है व्यक्तियों और चेहरों के शोर शराबे में दलीय नीतियां तो कहीं नेपथ्य में चली जाती है और पूरा चुनाव व्यक्तियों पर केंद्रित हो जाता है। यह सब कुछ इतना सरे आम होता है कि सारे दल एक दूसरे की नीतियों के बारे में नहीं पूछते हैं बल्कि यह पूछते हैं कि तुम्हारे पास कौन सा चेहरा है?

जब चुनाव चेहरा आधारित हो जाते है तो विभिन्न क्षेत्रों से चेहरे उगने लगते हैं । सर्वाधिक चेहरे आर्थिक सम्पन्नता की धरती से मुंडिया की फसल के रूप में लहलहाने लगते हैं। वर्तमान में हालत यह हो गई है कि जनतंत्र धनतंत्र में बदल गया है। ऐसा लगता है पैसा ही चुनाव में टिकट हासिल करता है। पैसा ही चुनाव जीतता है। पैसा ही विधायकों और सांसदों को दलबदल का खो - खो खिलवाता है।चेहरों की भूमिका धर्म,जातियों के अलावा उनमें भी होती है जिन्हें दबाव समूह कहा जाता है। इनको प्रभावित करने की क्षमता जिस में होती है वह जिताऊ व्यक्तित्व अथवा चेहरा माना जाता।ये सारे चेहरे दलीय नीतियों के लिए नहीं बल्कि अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं और हितों के लिए पूरा जोर लगाते हैं । जब कभी इनके हितों पर चोट पहुंचती है तो यह पल भर में इधर से उधर और उधर से इधर छलांग लगा देते है।कल तक जिन नीतियों को कोसते थे उनके पक्ष में दलीलें देने लगते हैं।और जिन नीतियों की कल तक तरफदारी करते थे आज उनको कोसने लगते हैं।

जाहिर है देश के जनतंत्र को सही दिशा में अगर ले जाना है तो चेहरा प्रधान नहीं बल्कि नीति प्रधान राजनीति होना जरूरी है। इसके लिए होना यह चाहिए कि व्यक्तियों को चुनाव में खड़ा करने के बजाय दलों को और उनकी नीतियों को आगे कर वोट मांगा जाए। फिर दलों को प्राप्त सीटों के हिसाब से यह अधिकार दिया जाए कि दल अपने स्तर पर यह तय करे कि संसद और लोकसभा में कौन जाएगा। दलीय नीतियों के आधार पर होने वाला चुनाव से लोकसभा में जो सबसे बड़ा दल हो उसको सरकार बनाने के लिए बुलाया जाए। कुल सीटों के आधे से ज्यादा सीटों की अनिवार्यता खत्म होते ही दलबदल की सौदेबाजी खत्म होगी। ऐसे चुनाव में दल के सारे कार्यकर्ता और नेता सक्रिय रहेंगे मौजूदा व्यक्ति प्रधानता वाले चुनाव में तो वहीं व्यक्ति सक्रिय होता है जिसे टिकट मिल जाती। सारे चुनाव में उसके कार्यकता सक्रिय रहते है। शेष सब निष्क्रिय रहते हैं।कई बार तो वे जिन्हें टिकट नहीं मिलती है वे निर्दलीय खड़े हो जाते है। बाज वक्त ऐसे असंतुष्ट कुछ नहीं तो भीतरघात भी करते हैं।

वर्तमान चुनाव प्रणाली जमाने भर के नीतिगत दावों के बाद भी व्यक्ति प्रधान ही है। देश को अगर हम नीति प्रधान जनतंत्र देना चाहते हैं तो ऐसी निर्वाचन प्रणाली जरूरी है जो व्यक्तियों को नहीं नीतियों को प्रमुखता दे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# कुंभ में आई मोनोलिसा के नाम पाती

हे मोनोलिसा देवी! कुंभ मेले के भीतर और बाहर सोशल मीडिया पर बस तुम्हारे ही चर्चे थे। सुना है कई लोग तो महज तुम्हारी कीर्ति सुनकर तुम्हें ही देखने के लिए गए थे, फिर जब चले ही गए तो संगम में स्नान भी कर लिया,यह बात अलग थी। सुना तो यह भी है कि कई ऐसे भी थे जो गए तो स्नान के लिए थे,पर तुम्हारी आँखों में ऐसे डूबे कि संगम में डुबकी लगाना ही भूल गए। जितने मुँह उतनी बातें।

यह एक अद्भुत दृश्य था। वीडियों और रीलों में स्त्री-पुरुष, बाबा,पत्रकारों सहित वीडियो और सेल्फी के शौकीन सब तुम्हारे ही चारों ओर मंडराते नजर आ रहे थे। तुम्हारे दर्शन,नयनों की झलक और मुस्कान की अनुभूति पाकर एक पंथ दो काज कर लिए। बहती गंगा में चलते-चलते हाथ धो लिए या यूं कहें कि दर्शन लाभ ले लिए। सच तो यह है देवी कि वहाँ पर नहाने वाले कम ओर ऐसे ही बहती गंगाओं में हाथ धोने वाले कम लहीं थे।

हे सुंदरी,मानो यह कुंभ तुम्हारा ही इंतजार कर रहा था। देखते-देखते तुम्हारे वीड़ियो पर वीडियो वायरल होते गए। कैमरों का मुँह एकाएक तुम्हारी ओर हो गया। रीलों पर रीलें बनने लगीं। कवि लोग तुम्हारी आँखों पर कविताएँ लिखकर वायरल करने लगे। चित्रकार तुम्हारी मुस्कान को चित्रों में सजाकर डिजीटल माध्यमों में भेजने लगे। हे सौंदर्य की देवी, इस विशाल आध्यात्मिक मेले में पता नहीं लोगों का अध्यात्मबोध जगा कि नहीं,पर सोया हुआ सौन्दर्य बोध एकदम जाग उठा। व्यापार बोध तो जगना ही था क्योंकि पुण्यर से अधिक पैसा कमाने वालों की भीड़ थी।

हे देवी तुम भी मालाएँ बेचकर दो पैसे कमाने ही गई थी। तुम्हे क्या पता था कि आत्मिक सौंदर्य के साधक घर पर सोते रह गए ओर दैहिक सौंदर्य के पुजारी बड़ी संख्या में वहाँ जा पहुँचे।

लगता है अब तुम्हारे पिछले जन्मों का प्रारब्ध जाग उठा है। टी.वी. सीरीयलों और सिनेमा में अगर तुम जाना चाहो तो तुम्हारे लिए वहाँ भी पलक पाँवड़े बिछ सकते हैं। कोई तुम्हारी तुलना अमेरिकी अभिनेत्री एंजेलिना जॉली से तो कोई भारत की ऐश्वर्या राय से कर रहा है। ये अभिनेत्रियाँ तो अब आउटडेटेड हो चलीं है,पर भविष्य अब तुम्हारा हो सकता है। तुम्हारी जो कीर्ति जो इस कुंभ मेले में जाने मात्र से चारों ओर फैली है वह साहित्यकारों, कलाकारों और सिनेमा अभिनेत्रियों के लिए ईर्ष्या का विषय हो सकता है।

लोगों का दिल है कि मानता नहीं कि तुम इसी धरती की हो। कभी-कभी तो लगता है कि कहीं तुम स्वर्ग से इन्द्र की भेजी हुई कोई अप्सरा तो नहीं हो,जिसने तुम्हे इस मेले में महज यह देखने के लिए भेजा हो कि कहीं कुंभ में आत्मा-परमात्मा,धर्मज्ञान और अध्यात्म की चर्चाएँ ज्यादा परवान तो नहीं चढ़ रहीं हैं,जिससे प्रेरित होकर यह बहुत बड़ी भीड़ अध्यात्म की खोज के लिए निकल पड़ें और परिणामस्वरूप स्वर्ग में जनसंख्या विस्फोट तथा नरक में सुनसान हो जाए। हो सकता है किसी के स्वर्ग का सिंहासन ही हथिया लेने के लिए तपस्या करने के समाचार मिले हों। अगर ऐसा है तो हे सुंदरी तुमने अपना काम माला बेचने के बहाने बखूबी कर दिखाया है। शास्त्रों के श्रवण-मनन को कुछ हद तक तुमने अपनी आँखों और मोहक मुस्कान की ओर मोड़ लिया है। कुंभमेला कुछ हद तक कुछ समय के लिए तो मोनालिसामय हो ही गया।

कुंभ हादसा

डॉ. रमेश ठाकुर
सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान

# बदइंतजामियों का कसूरवार किसे बनाया जाएगा?

कुंभ क्षेत्र में पहले आग लगी, टेंट जले, सिलेंडर फटे और मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ से कुचलकर 30 श्रद्धालुओं की असमय मौत? ये सब बदइंतजामी, सिस्टम का कु-प्रबंधन, वीवीआईपी कल्चर की आधुनिक डरावनी तस्वीर, अव्यवस्थाओं और तमाम पूर्ववर्ती दुखद घटनाओं से कुछ न सीखने का नतीजा मात्र है। मौनी अमावस्या के दिन 'अमृत स्नान' क्यों 'अमृत मुत्यू' में तब्दील हुआ, इसकी जवाबदेह जिनकी है, उन्हें आगे आकर सभी आरोपों को सहस्त्र स्वीकारना होगा। राज्य सरकार ने हादसे के बाद एक न्यायिक कमेटी गठित की है। जो अगले 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट शासन को देगी। सवाल उठता क्या वो रिपोर्ट वर्ष-1954 के पहले कुंभ के दौरान हुए हादसे जैसी निष्पक्ष और असरदार रहेगी? आजादी के बाद पहले कुंभ के आयोजन में बड़ा हादसा हुआ था जिसमें सैकड़ों लोगों की जाने गईं थीं। केंद्र में हूकुमत तब पंडित जवारहर लाल नेहरू की थी। सरकार ने, कमल कांत वर्मा की अगुआई में एक जांच कमेटी बनाई थी, जिसने सीधे केंद्र सरकार को घटना को कसूरवार माना था और वीआईपी व्यवस्था को हादसे का मुख्य कारण बताया था। उसके बाद केंद्र सरकार ने कुंभ मेले से वीआईपी व्यवस्था खत्म कर सभी कुंभ आयोजन सामान्य तरीके से संपन्न करवाए थे। पर, बीते दो दशकों से ये प्रक्रिया फिर से आरंभ हुई और तेजी से हुई।

महाकुंभ में एक साथ 10 करोड़ लोगों की भीड़ को संभालना निश्चित रूप में अपने-आप में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है? 144 वर्षों बाद लगने वाले महाकुंभ के मेले में अप्रत्याशित भीढ़ बढ़ेगी जिसे नियंत्रित करने में शासन-प्रशासन को मुकम्मल मशख्त करने के बाद भी घटनाओं के घटने की आशंका पहले से थी। बावजूद इसके प्रशासन ने कमर नहीं कसी, उनका पूरा जोर वीवीआईपी की सेवाओं में लगा रहा। रोज कोई न कोई बड़ा मंत्री-नेता कुंभ में डुबकी लगाने पहुंच रहा है। सुरक्षा में लगे लोग उन्हीं में व्यस्त रहते थे और भोलीभाली जनता रामभरोसे? हास्यास्पद बात तो ये है प्रशासन द्वारा जो अपील घटना के बाद की गई, वो पहले क्यों नहीं? जैसे कि अमृत स्नान श्रृधालू जहां हैं वहीं कर लें, संगम नोज जाने की जगह जो घाट नजदीक हैं वहीं डुबकी लगा लें? ये अनाउंस पुलिस अधिकारियों ने तब किया जब भगदड़ में तकरीबन 30 लोग मारे जा चुके थे। वीवीआईपी कल्चर के बाद ये दूसरी बड़ी खामी है जो सामने निकलकर आई। 47 दिनी कुंभ का शेष आधा भाग अभी बचा है जिसमें दो शाही स्नान भी शेष हैं? जिसके लिए प्रशासन ने अब वीआईपी कल्चर खत्म किया है। जबकि, इसे लागू ही नहीं किया जाना था।

बहरहाल, घटना की जांच मुआवजा, अफसोस, आंसू टपकाने, एकाध अधिकारियों के सस्पेंशन और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों तक न सीमित रहे? संपूर्ण निष्पक्ष जांच के अलावा भविष्य में ऐसी गलतियां न हो, उसके लिए शासन-प्रशासन को संकल्पित होना होगा। ताज्जुब वाली बात एक ये भी है कि मौजूदा कुंभ मेले में सुरक्षा की दृष्टि से हर वो कोशिश की जा रही है जिसे क्या जाना चाहिए। जैसे, भीड़ प्रबंधन नियंत्रण में आधुनिक लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल, हजारों-लाखों कैमरे का जाल बिछाना, हैलीकॉप्टर से ड्रन कैमरों से निगरानी करना, पार्किंग व्यवस्थाओं में रूट

डाईवर्जन मैप, पुलिस बैरिकेडिंग व उत्तर प्रदेश की तकरीबन जिलों की पुलिस का मेला क्षेत्र में जमावड़ा होने के बाद भी पूर्व की तय व्यवस्थाएं चरमरा गईं।

हालांकि, 2013 में इसी प्रयागराज में, 2010 में हरिद्वार, 1992 में उज्जैन और वहीं 2003 में नासिक कुंभ में भी हुई भगदड़ की घटनाएं घटी थी। इस तरह के आयोजनों में ये सिलसिला दशकों से बदस्तूर जारी है। यहां एक सवाल ये भी उठता है कि हम पुराने हादसों से सबक क्यों नहीं लेते? खुद सरकारी आंकड़े इस सच्चाई की दस्दीक करते हैं कि अब बिना हादसों के कोई भी बड़े आयोजन नहीं संपन्न होते। पिछले वर्ष ही तो हाथरस में बड़ा हादसा हुआ था जिसके जख्म अभी भी ताजा हैं। उस घटना में भी जांच कमेटी गठित हुई थी। जांच कहां पहुंची, किसी को नहीं पता?

कुंभ के प्रचार-प्रसार में राज्य सरकार से लेकर केंद्रीय स्तर पर कोई कमी नहीं छोड़ी गई। पैसा पानी की तरह बहाया गया। सरकार के मंत्री पिछले माह भर से घूम घूम कर विशिष्ठ-अतिविष्ठ गणमान्यों को कुंभ में आने का न्यौता बांट रहे थे। लेकिन अब अव्यवस्थाओं और बदइंतजामी को लेकर निमंत्रण बांटने वाले भी कुछ नहीं बोलेंगे? खुदा-न-खास्ता अगर इनके बुलाए लोग भी हादसे का शिकार हो जाते तो? प्रयागराज के पूरे 35 किलोमीटर क्षेत्रफल में फेले मेले में नेताओं के बड़े-बड़े फोटो लगे हैं। जबकि, इस तरह के प्रचार-प्रसारों से राजनेताओं को परहेज करना चाहिए। आयोजन पहले भी हुए, तब ऐसा नहीं होता था। शंकराचार्यों से लेकर तमाम संत भी इस बात को लेकर बेहद नाराज हैं। जारी मौजूदा महाकुंभ के आयोजन में जितना पैसा खर्च किया जा रहा है, उतने में भारत के 100 गरीब गांवों की गरीबी खत्म की जा सकती थी। आयोजन हो, इसके पक्षधर सभी हैं। पर, आयोजनों की आड़ में दिखावा और आडंबर न हो?

घटना के बाद बदइंतजाती को लेकर तीखे सवालों का सामना जिम्मेदारों को करना ही होगा? इतने बड़े हादसे के बाद सिस्टम सवालों से भाग नहीं सकता। जवाब तो देना ही पड़ेगा? घटना के बाद एक मंत्री का ये कहना कि ऐसे आयोजनों में छोटी-मोटी घटनाएं होती ही हैं, को भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। वहीं, बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री कहते हैं कि भारत का जो व्यक्ति कुंभ नहाने नहीं जाएगा, वो देशद्रोही कहलाएगा? कोई उनसे पूछे बॉर्डर पर तैनात वह सैनिक क्या सोचते होंगे जो हमारी सुरक्षा में दुश्मनों पर चौबीस घंटे आंख गड़ाए बैठे हैं। क्या उन्हें भी बॉर्डर की सुरक्षा छोड़कर कुंभ नहाने जाना चाहिए? कुंभ जैसी आस्था को राजनीतिक स्वार्थ से पिरो देनी वाली हरकतें मन विचलित करती हैं। कह सकते हैं, आयोजन से लोग 'पुण्य' कम 'पाप' ज्यादा कमा रहे हैं।

विरासत

डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'

# तमिलनाडु के कलुगुमलाई का तेरह सौ वर्ष प्राचीन जैन पुरातत्व

तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के एक पंचायत शहर, कलुगुमलाई में विशाल पर्वत चट्टानों में 150 से अधिक जैन आयतन या देवकुलिकाएँ हैं। माना जाता है कि पर्वत- चट्टानोत्कीर्ण वास्तुकला में निर्मित, अधूरा मंदिर पांडियन राजा परंतका नेदुंजदैया (768-800 सीई) के शासनकाल के दौरान बनाया गया था। कलुगुमलाई में रॉक-कट वास्तुकला पांडियन कला का एक अनुकरणीय नमूना है। यहाँ अधिकांश त्रिछत्र युक्त पद्मासन प्रतिमाएँ हैं और उनके नीचे दान दाताओं आदि ने अपने उल्लेख के साथ शिलालेख लिखवाये हैं। यहाँ सातवीं-आठवीं शताब्दी का उत्कृष्ट जैन शिल्पन है। पद्मासन के अतिरिक्त कुछ विशिष्टि प्रतिमांकन इस प्रकार है-

## विशिष्ट तीर्थंकर प्रतिमा

चट्टान में अन्य प्रतिमाओं के साथ इस विशिष्ट प्रतिमा की नक्काशी की ऊंचाई लगभग चार फीट है और यह चट्टान के भीतर गहराई में खुदी हुई है। चार स्तरीय बड़े से पादपीठ में तृतीय स्तर पर मध्य में एक सिंह और दोनों ओर दो विरुद्धाभिमुख सिंह बने हैं। उसके ऊपर की चरण चौकी पर पद्मासनस्थ जिन हैं। प्रतिमा सामान्य व त्रिछत्र युक्त है, घुंघराले केश हैं। किन्तु इसप्रतिमा का परिकर अनूठा हैं। सिंहासन के दोनों ओर कुछ दूरी रखकर एक एक मुकुटबद्ध राजा या देव है। इनके दोनों हाथ सामने को उठे हुए हैं, सम्भव है ये कुछ पूजाद्रव्य आदि हाथों में लिए हों। प्रतिमा के भुजाओं की पृष्ठभूमि से एक आधार पट्टिका निकली है। उसके भारवाहक दोनों ओर दो सिंह हैं, जिनके पिछले पैर प्रतिमा की चरणचौकी को स्पर्शित हैं। आधार पट्टिका पर प्रतिमा के दोनों ओर सुन्दर भंगिमा युक्त चामरधारी हैं, ये आभूषणों से भूषित हैं। पट्टिका के दोनों किनारों पर एक-एक मानव जैसी लघु आकृतियाँ बाहर को झूमती हुई सी शिल्पित हैं। वितान में छत्रत्रय के ऊपर अशोक पर्णों व शाखाओं के पाँच वृत्तों का बृहत् छत्र बना है। मध्य के वृत्त में एक नर्तकी है, जिसके दोनों ओर के दो-दो वृत्तों में एक एक पुरुष संगीतकार हैं। दो संगीतकार एक लंबे तार वाला वाद्ययंत्र बजाते हैं, जबकि अन्य के हाथ में ड्रम और झांझ है। किनारों पर एक एक लघु पुष्पवर्षक देव और उनसे ऊपर कुछ बड़े माल्यधारी देव शिल्पित हैं जिनके हाथों में लंबे तने वाले कमल पकड़े हुए दर्शाये गये हैं। वितान के शीर्ष पर एक हाथी को दर्शाया गया है, दो घुड़ सवार शिल्पित हैं।

## तीर्थंकर प्रतिमा द्वितीय

यह ऊपर की प्रतिमा के समान है, किन्तु वितान में कुछ परिवर्तन है। वितान में पल्लवों के पाँच के स्थान पर नौ वृत्त हैं, जिनमें कुछ महिला नर्तकियाँ वाद्ययुक्त हैं। ऊपर घोड़े, हाथी, ऊँट, सिंह और ब्याल सवार हैं। इस प्रतिमा के नीचे दो पद्मासन तीर्थंकर है, और स्वतंत्र देवकुलिका में एक महिला है, जिसके पास कलश है। इससे मिलती जुलती दो और प्रतिमाएँ हैं।

## दुर्लभ पार्श्वनाथ जिन प्रतिमा

इस तरह की पार्श्वनाथ की प्रतिमा अन्यत्र नहीं है। तीर्थंकर प्रतिमा समपादासन में खड़ी हुई कायोत्सर्गस्थ है। पार्श्वनाथ जिन को उनके सहायक देवता धरणेंद्र द्वारा रक्षित व सेवा करते हुए शिल्पित किया गया है। यह इस कारण दुर्लभ है क्योंकि धरणेन्द्र को पार्श्वनाथ के सिर पर सर्पफणों की छत्रछाया के बजाय अर्ध-मानव रूप में शिल्पित किया गया है। वह पार्श्व के सिर के पीछे से शिल्पित अपने दोनों हाथों में सुन्दर छत्र ढुरा रहा है। हाथ व मुख मानव के और धरणेन्द्र के त्रिफण शिल्पत हैं। ऊपर दाहिनी ओर कमठ दोनों हाथों में उपसर्ग के लिए शिला उठाये हुए उकरित है। चरणों के पास नतमस्तक देव दाहिने ओर और बायें तरफ पद्मावती खड़ी हुई दर्शाई गई है। उसके सिर पर फण है।

## एकल पार्श्वनाथ जिन प्रतिमा

विशाल शिला पर सैकड़ों जिन प्रतिमाएँ उत्कीर्णित हैं। तीन पंक्तियों में से नीचे की पंक्ति में लगभग मध्य में कायोत्सर्गस्थ पार्श्वनाथ जिन प्रतिमा है। इसके सिर पर पंच सर्पफणों का आच्छादन है।

## विशिष्ट अंबिका प्रतिमा

कलुगुमलाई में विशेषताओं को प्रदर्शित करती अंबिका की प्रतिमा है। इसके दाहिने व बाएं कंधे पर आम के पेड़ के गुच्छक हैं। बायें पार्श्व में बड़ा सा सिंह उत्कीर्णित है, निकट ही दो बच्चे खड़े हैं। अंबिका को दो भुजाओं वाली देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया है, वह अपना दाहिना हाथ एक छोटी महिला के सिर पर रखकर खड़ी है। देवी के दाहिनी ओर रहस्यमय पुरुष आकृति है। विद्वानों ने इसकी पहचान अंबिका के वाहन में परिवर्तित होने से पहले उसके आसक्त पति के रूप में की है। यहाँ अंबिका को पद्मावती की तरह एक स्वतंत्र देवी के रूप में चित्रित किया गया है, नेमिनाथ की सहायक परिचारिका (शासन देवी) के रूप में नहीं।

## चारभुजा देवी प्रतिमा

विशाल शिला पर बाएँ ओर दो तीर्थंकरों के नीचे एक स्वतंत्र देवी प्रतिमा है। इसकी चार भुजाएँ हैं, मस्तक पर सर्पफण हैं, कमल के आसन पर एक पैर मुड़ा हुआ है, दूसरा नीचे को लटकाये शिल्पित है। दोनों ओर दो नाग देवियाँ हैं। यहाँ और भी अनेक अप्रतिम प्रतिमाएँ हैं। यह पर्वत शैलोत्कीर्ण वास्तुकला का प्राचीन विशिष्ट उदाहरण है।

विश्व राजनीति

डॉ. विनोद सेन
सहायक प्रोफेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्व विद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश

डॉ. मुकेश कुमार मीणा
सहायक प्रोफेसर, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

# ट्रंप का निर्णय : भारत की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रणाली पर प्रभाव

संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के 14 संशोधन में निहित जन्मसिद्ध नागरिकता का सिद्धांत, अमेरिकी आव्रजन नीति का एक मुख्य आधार है। यह नीति किसी भी व्यक्ति को, जो अमेरिकी धरती पर पैदा होता है, स्वचालित रूप से नागरिकता प्रदान करती है। 150 से अधिक वर्षों से यह नीति प्रचलित है और इसे व्यापक रूप से अपनाया गया है। हालांकि, यह नीति लंबे समय से विवादों का केंद्र रही है। आलोचक कहते हैं कि यह अवैध आव्रजन और 'जन्म पर्यटन' को प्रोत्साहित करती है, जबकि समर्थक इसके समावेशिता और समानता को बढ़ावा देने के गुणों को रेखांकित करते हैं। हाल ही में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनिर्दिष्ट प्रवासियों के बच्चों के लिए जन्मसिद्ध नागरिकता समाप्त करने का प्रस्ताव देकर इस बहस को फिर से जीवित कर दिया। इस नीति में बदलाव का भारत जैसे देशों पर गंभीर अल्पकालिक और दीर्घावधि प्रभाव पड़ सकता है, जिनका एक बड़ा प्रवासी समुदाय अमेरिका में निवास करता है। इस लेख में इस नीति के भारत पर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रभावों का विश्लेषण किया गया है।

**भारत पर आर्थिक प्रभाव:** अमेरिका में भारतीय प्रवासी प्रेषण के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। 2022 में भारत को 100 अरब से अधिक की प्रेषण राशि प्राप्त हुई। अमेरिकी धरती पर पैदा हुए भारतीय-अमेरिकी इस प्रेषण प्रवाह को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि जन्मसिद्ध नागरिकता समाप्त कर दी जाती है, तो कम भारतीय परिवार अमेरिका में लंबे समय तक रह पाएंगे, जिससे प्रेषण प्रवाह में कमी आएगी। केरल जैसे राज्य, जहां प्रेषण राज्य की सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 36 प्रतिशत है, गंभीर आर्थिक व्यवधान का सामना कर सकते हैं।

प्रेषण में कमी से भारत के भुगतान संतुलन (BoP) पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा। डॉलर की कमी से रुपये का अवमूल्यन हो सकता है, जिससे आयात, विशेष रूप से कच्चे तेल जैसे महत्वपूर्ण सामानों की लागत बढ़ जाएगी, जो भारत के कुल आयात का लगभग 20 प्रतिशत है। कमजोर रुपया मुद्रास्फीति को भी बढ़ा सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था पर और दबाव पड़ेगा।

भारत का विशाल प्रवासी समुदाय, जिसमें 2.7 मिलियन से अधिक भारतीय अमेरिका में निवास करते हैं, उच्च कौशल वाले पेशेवरों के पलायन का हिस्सा है। कई प्रवासी यह अपेक्षा करते हैं कि उनके अमेरिका में जन्मे बच्चों को स्वचालित नागरिकता मिलेगी। इस नीति का अंत प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अमेरिका जाने से हतोत्साहित कर सकता है और उन्हें कनाडा, जर्मनी, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की ओर मोड़ सकता है, जो अधिक समावेशी आव्रजन नीतियां प्रदान करते हैं।यह उल्टा प्रतिभा प्रवासहो सकता है, जो भारत के आईटी, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को लाभ पहुंचा सकता है। हालांकि, इस अवसर का लाभ उठाने के लिए घरेलू बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन में पर्याप्त निवेश की आवश्यकता होगी।

**प्रवासियों और भारतीय समाज पर प्रभाव:** अपने बच्चों के लिए नागरिकता की गारंटी के बिना, अमेरिका में भारतीय परिवारों को बढ़ी हुई चिंता और अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। जिन बच्चों को नागरिकता नहीं मिलेगी, उन्हें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य बुनियादी सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई हो सकती है, जिससे लंबे समय तक हाशिए पर रहने की स्थिति बन सकती है। कई परिवारों को भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे देश में सामाजिक और आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने सांस्कृतिक योगदान और राजनीति, शिक्षा और व्यापार में सक्रिय भूमिका के माध्यम से अमेरिकी समाज को समृद्ध किया है। सख्त आव्रजन नीतियां भारतीय प्रवासियों को अमेरिकी समाज में पूरी तरह से एकीकृत होने से हतोत्साहित कर सकती हैं, जिससे बहुसांस्कृतिक ताने-बाने कमजोर हो सकते है। यह भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रभाव को कम कर सकता है, जिसने यूएस-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।जिन बच्चों को अमेरिकी नागरिकता नहीं दी जाती है, उन्हें सामाजिक बहिष्कार और कम अवसरों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे प्रवासी समुदायों के भीतर असमानता बढ़ सकती है।

**राजनीतिक प्रभाव:** अमेरिका में भारतीय प्रवासी दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करते हैं, जो द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और कूटनीति को प्रभावित करते हैं। एक ऐसी नीति जिसे प्रवासी-विरोधी माना जाता है, वह राजनयिक संबंधों को कमजोर कर सकती है, भारत की सॉफ्ट पावर को कम कर सकती है और अमेरिका में अपने हितों की वकालत करने की क्षमता को सीमित कर सकती है।

इसके अलावा, प्रभावशाली पदों पर भारतीय-अमेरिकियों की घटती उपस्थिति यूएस कांग्रेस में सबसे बड़े देश-विशिष्ट कॉकस, इंडिया कॉकस को कमजोर कर सकती है। सख्त अमेरिकी नीतियां भारत को वैकल्पिक प्रवासन गंतव्यों जैसे कि यूएई, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं, जहां पहले से ही भारतीय आबादी मौजूद है। बीआरआईसीएस या दक्षिण-दक्षिण ढांचे के भीतर सहयोग बढ़ाया जा सकता है, जो अमेरिकी-केंद्रित प्रवासन नीतियों का विकल्प बन सकता है।

ट्रंप का प्रस्ताव संरक्षणवाद की एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जो अन्य देशों को समान सख्त आव्रजन नीतियां अपनाने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह 'मेरा देश पहले' दृष्टिकोण भारतीय श्रमिक निर्यात के अवसरों को सीमित कर सकता है, जो विदेशी मुद्रा का एक प्रमुख स्रोत है। यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी काम करने वाले प्रवासियों पर अधिक सख्त नियम लागू हो सकते हैं, जिससे विदेशों में भारतीय पेशेवरों के लिए विकल्प और कम हो सकते हैं।

**भारत के लिए अवसर:** प्रतिभाशाली पेशेवरों की वापसी भारत के तकनीकी, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप क्षेत्रों में वृद्धि का उत्प्रेरक बन सकती है। 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहल, जिसका उद्देश्य देश को एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज में बदलना है, लौटने वाले पेशेवरों की विशेषज्ञता से काफी लाभान्वित हो सकती है।हालांकि, इस संभावना को साकार करने के लिए कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में लक्षित निवेश आवश्यक है।

भारत अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम कर सकता है और एशिया और अफ्रीका के भीतर व्यापार और निवेश संबंधों को विविध बना सकता है। क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाना विकास के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है, जिससे सख्त अमेरिकी नीतियों से उत्पन्न जोखिमों को कम किया जा सकता है।

**चुनौतियां और भविष्य की राह:** जन्मसिद्ध नागरिकता का उन्मूलन न केवल लाखों प्रवासियों के जीवन को बाधित करेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी प्रभाव पैदा करेगा। जबकि यह अमेरिकी घरेलू चिंताओं को अस्थायी रूप से संबोधित कर सकता है, यह समानता और समावेशिता के सिद्धांतों को कमजोर करता है। भारत के लिए, इस नीति से उत्पन्न परिणाम रणनीतिक योजना और सक्रिय नीतिगत कदमों की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। लौटती प्रतिभाओं का लाभ उठाकर, क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर और घरेलू आर्थिक लचीलापन बढ़ाकर, भारत इन चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है।हालांकि, इसे प्राप्त करने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सरकार को प्रवासी चिंताओं को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। नवाचार, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को बनाए रखने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं।

**निष्कर्ष:** जन्मसिद्ध नागरिकता पर बहस केवल अमेरिका का घरेलू मुद्दा नहीं है; इसके वैश्विक प्रभाव हैं, विशेष रूप से भारत जैसे देशों के लिए। जबकि प्रस्तावित परिवर्तन अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देने का लक्ष्य रखते हैं, वे वैश्विक अर्थव्यवस्था और प्रवासन प्रणालियों की परस्परता को चुनौती देते हैं। भारत के लिए, यह अपने रणनीतियों को पुनःसंरेखित करने, क्षेत्रीय गठबंधनों को मजबूत करने और एक मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था का निर्माण करने का अवसर है जो तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में पनप सके। इन चुनौतियों को दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के साथ संबोधित करके, भारत वैश्विक सहयोग और आत्मनिर्भरता के एक नए युग में खुद को एक नेता के रूप में स्थापित कर सकता है।

# कृषि वैज्ञानिकों की सलाह-किसान खेतों में नमी बरकरार रखने समय-समय पर करें सिंचाई

## मौसम में बदलाव का फसल की सेहत पर दिख रहा असर

**बैतूल।** पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव नजर आ रहा है। दिन में तेज धूप व गर्मी का एहसास होने लगा है। वहीं तापमान में भी वृद्ध देखी जा रही है। इसका असर स्वास्थ्य व फसल पर भी दिखाई दे रहा है। वर्तमान में न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री के आसपास है। तापमान बढ़ने से ठंड का असर कम होने लगा है। दिन में धूप तेज हो रही है तो रात में भी ठंडक कम हो गई है। हालांकि यह मौसम अभी फसलों के लिए अनुकूल माना जाएगा। तेज धूप नहीं होना और ठंड खत्म नहीं होने का यह मौसम फसल की ग्रोथ ठीक करता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अभी तापमान में उतार-चढ़ाव ज्यादा रहेगा, कभी तापमान बढ़ेगा, तो कभी कम होगा। यह जरूर है कि फरवरी के पहले सप्ताह में एक पश्चिमी विक्षोभ आ सकता है, उसका असर रहेगा। इसमें बादल छा सकते हैं। इसके बाद फरवरी के दूसरे सप्ताह से ठंड का असर कम होगा और गर्मी की दस्तक हो सकती है। फरवरी में तापमान 35 डिग्री के आसपास दिन में रहेगा। वहीं रात का तापमान 15 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। बता दे कि बसंत पंचमी से गर्मी की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन इस साल जनवरी माह के अंतिम सप्ताह से ही हल्की गर्मी का एहसास होने लगा है।

**फसल : फसल के लिए ठीक है फिलहाल मौसम** – कृषि वैज्ञानिक विजय वर्मा ने बताया कि अभी ठंड खत्म नहीं हुई है। फसल के लिए ऐसा मौसम नुकसानदायक नहीं है। हालांकि तापमान बढने से गेहूं का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। यदि तापमान बढ़ता है तो गेहूं की फसल पकना शुरू हो जाएगी। वैसे अभी का मौसम फसल के लिए नुकसानदायक नहीं कहा जा सकता। बता दे कि जिले में 2.96 लाख हेक्टेयर में किसानों ने गेहूं की फसल ली है। कृषि वैज्ञानिकों की सलाह है कि तापमान में वृद्धि होने से जमीन में नमी की कमी कम हो सकती है। गेहूं व चने की फसल को ठंड व नमी की अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे में किसानों को अतिरिक्त पानी लग सकता है। चने पर फफूंद दिखाई देने पर समय-समय पर दवाई का छिड़काव कर बचाव कर सकते हैं।

**सेहत : अस्पताल में 500 के पार पहुंची ओपीडी**– पिछले सप्ताह से तापमान में वृद्धि देखी जा रही है। गर्मी का एहसास होने लगा है। जिसके कारण सरकारी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढने लगी है। जिला अस्पताल में पिछले दो-तीन दिनों में 500 के आसपास ओपीडी पहुंच गई है। इसमें सबसे अधिक वायरल बीमारी मरीज शामिल हैं। इसमें सर्दी, खांसी, बुखार के मरीज अधिक है। डॉक्टरों के अनुसार मौसम में बदलाव के कारण वायरल मरीजों की संख्या में वृद्धि होती है। इससे बचाव के उपाय करना चाहिए। बुखार व अधिक सर्दी खांसी होने पर डॉक्टर से जांच कर तुरंत इलाज लें। इसके अलावा बढ़ते तापमान से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। इसके लिए अधिक से अधिक पानी का सेवन करे।

**सब्जियां : गर्मी से उत्पादन में आ सकती है कमी**– किसान अनिल, पिंटू, श्यामू ने बताया वर्तमान में टमाटर व लौकी के भाव में कमी आई है। इससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं भिंडी के दाम में भी कमी आई है। मौसम में बदलाव और तापमान बढ़ने से सब्जियों के उत्पादन में कमी आ सकती है। अभी फिलहाल टमाटर 10 रुपये किलो बिक रहा है, लेकिन यदि तापमान और गर्मी बढ़ती है तो सब्जियों के दामों में वृद्धि होगी। फिलहाल सब्जियों के दाम अभी 10 से 20 रूपये पाव चल रहे है। गर्मी में सब्जियों के दाम बढ़ सकते है, क्योंकि तापमान बढने से सब्जियों का उत्पादन कम होने लगता है और सब्जियां जल्दी खराब होती है। जिससे बाहर से आने वाली सब्जियों पर ट्रांसपोटिंग सहित अन्य खर्च जुडक़र सब्जियां मिलती है।

### इस तरह रहा तापमान....

| दिनांक | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|
| 21 जनवरी | 11.7 | 29.0 |
| 22 जनवरी | 12.7 | 29.8 |
| 23 जनवरी | 13.8 | 30.0 |
| 24 जनवरी | 14.2 | 28.0 |
| 25 जनवरी | 13.4 | 29.5 |
| 26 जनवरी | 12.8 | 28.8 |
| 27 जनवरी | 12.2 | 28.8 |
| 28 जनवरी | 11.7 | 29.7 |
| 29 जनवरी | 13.8 | 29.7 |
| 30 जनवरी | 13.7 | 30.7 |
| 31 जनवरी | 13.0 | 31.2 |

### इनका कहना है –

अभी गेहूं व चने की फसल अच्छी है, लेकिन कुछ दिनों में तेज धूप व गर्मी के कारण खेती की नमी कम होने लगेगी। गर्मी के कारण फसल के उत्पादन में कमी हो सकती है। जिन किसानों ने देरी से फसल बोवनी की है। उन्हें पानी की मात्रा बढ़ाना पड़ेगी। जिससे नमी की कमी न हो।

– **विजय वर्मा,** कृषि वैज्ञानिक, बैतूल

मौसम में बदलाव के कारण ओपीडी में सामान्य बीमारियों के मरीज बढ़ रहे है। ऐसे मौसम में लोगों को अपनी सेहत के प्रति विशेष ध्यान देने की जरूरत है। गर्मी के कारण डिहाईड्रेशन की समस्या ज्यादा आती है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करे।

– **डॉ. जगदीश घोरे,**
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल बैतूल

## मेरी पॉलिसी मेरे हाथ कार्यक्रम का आज जिले में होगा शुभारंभ

**बैतूल।** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत रबी मौसम 2024-25 के लिए 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' कार्यक्रम का आज 1 फरवरी को जिले में शुभारंभ किया जाएगा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास के उप संचालक आनन्द बड़ोनिया ने बताया कि 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' कार्यक्रम आगामी 15 मार्च 2025 तक जिले में चलेगा। जिसके अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामवार शिविर का आयोजन कर फसल बीमा पॉलिसी का वितरण बीमित कृषकों को किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार वर्तमान रबी मौसम में जिले के 81 हजार 830 किसानों द्वारा 260219 आवेदन पत्र फसल बीमा पोर्टल पर दर्ज कराये गये है, जिन्हें एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा फसल बीमा पॉलिसी उपलब्ध करायी जाएगी। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा कृषकों को पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ई पॉलिसी प्रदान की गई है। कृषक स्वयं व्हाट्सएप चैट बोट (7065514447) के माध्यम से ई-पॉलिसी डाउनलोड कर सकते है। फसल बीमा अंतर्गत यह पॉलिसी किसानों के लिए प्रीमियम जमा की पावती होने के साथ-साथ फसल नुकसान अंतर्गत निर्धारित बीमा दावा प्राप्त करने हेतु आवश्यक दस्तावेज है। उन्होंने सभी किसानों से रबी 2024-25 में 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' कार्यक्रम के दौरान अपनी फसल बीमा पॉलिसी अवश्य रूप से कराए जाने की अपील की है।

## वीएसपी प्रोडक्शन की दो वेब सीरीज की घोषणा

### द रिटर्न ऑफ विजय और रुद्रगढ़ को मिल रही दर्शकों की सराहना

**बैतूल।** वीएसपी प्रोडक्शन मध्यप्रदेश और मुंबई के निर्देशक और निर्माता वीरेंद्र सिंह पवार ने बताया कि हमारे प्रोडक्शन हाउस की ओर से 'द रिटर्न ऑफ विजय' और 'रुद्रगढ़' नामक दो वेब सीरीज की घोषणा की जा रही हैं। यह वेब सीरीज यूट्यूब चैनल ड्रामेटिक

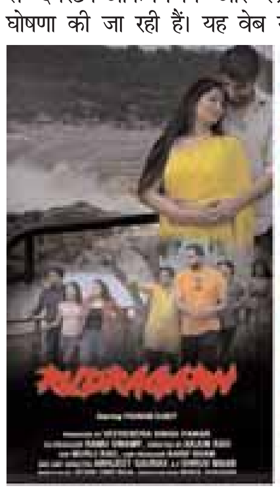

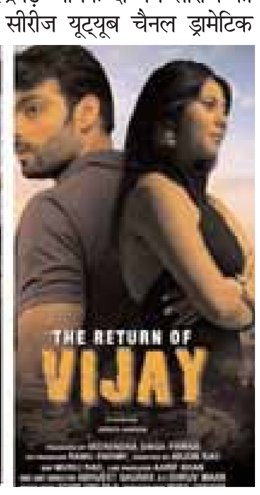


ओरिजिनल पर भी जल्द ही स्ट्रीमिंग होने वाली है। उन्होंने दावा किया है कि इन वेब सीरीज का कंटेंट लोगों को काफी पसंद आएगा। और इसे आगामी 7 फरवरी 2025 से ओटीटी पर भी जारी किया जायेगा, काफी दर्शकों ने इसकी सराहना की है। इन दो वेब सीरीज के बाद वीएसपी प्रोडक्शन मध्यप्रदेश/मुम्बई, बॉलीवुड के कुछ बड़े प्रोजेक्ट भी लेकर आ रहा है। उन्होंने जनता से अपील की हैं कि कृपया यूट्यूब चैनल ड्रामेटिक ओरिजिनल्स पर हमारे प्रयासों को देखें और यूट्यूब पर लाइक एवं कमेन्ट करें।

## किराना दुकान में चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

**बैतूल।** गंज क्षेत्र स्थित किराना दुकान में चोरी करने वाले आरोपियों को गंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकरी के अनुसार 12 जनवरी को लोकेश पिता नरेंद्र हिराणी (46) निवासी सिविल लाइन सिंधी कॉलोनी गंज ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी दुकान और जुबेर भाई की दुकान का ताला तोडक़र लगभग 5500 रूपये की चिल्लर चोरी

कर ली। रिपोर्ट पर थाना गंज में धारा 331(4) 305 ए बीएनएस का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान अज्ञात आरोपियों की तलाश की गई, जिसके परिणामस्वरूप गोविंद पिता सुखलाल बेरीसाल, उम्र 40 वर्ष, निवासी बैल बाजार सदर, ईसराइल पिता शेख स्माइल, उम्र 19 वर्ष, निवासी नागपुर नाका जय प्रकाश वार्ड गंज और सुभाष पिता सुखदेव झाड़े, उम्र 45 वर्ष, निवासी देहगुड मंडावी आठनेर से पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी की वारदात को स्वीकार किया। आरोपीगणों से 2000 रूपये की नगदी जप्त की गई। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी गंज निरीक्षक अरविंद कुमरे, सउनि किशोरीलाल सल्लाम, प्रआर सचिन, प्रआर संदीप, आर मनोज, आर गंजानंद, आर अनिरुद्ध, आर नवीन और आर देवेन्द्र गौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

## अंतरराष्ट्रीय भिक्षु संघ का प्रज्ञा बुद्ध विहार में आगमन आज

**बैतूल।** अंतरराष्ट्रीय भिक्षु संघ का आगमन आज 1 फरवरी को प्रात~ 10 बजे प्रज्ञा बुद्ध विहार, भारत भारती, जामठी में होगा। भिक्षु संघ धम्म पदयात्रा करते हुए बुद्ध विहार पहुंचेगा, जहां बौद्ध अनुयाई स्वागत के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर पौधारोपण एवं स्वल्पाहार होगा। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों में विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के भी शामिल होने की संभावना है। जामठी में स्वागत कार्यक्रम के बाद भिक्षु संघ ग्राम सावंगा पहुंचेगा, जहां आलोका ट्रस्ट द्वारा भिक्खू संघ के लिए भोजनदान किया जाएगा। दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक संगायन और संघदान का आयोजन होगा। भिक्षु संघ के स्वागत के लिए जिलेभर से बौद्ध अनुयायी जुटेंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत के अलावा म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, ब्राजील, अमेरिका, वियतनाम और लाओस के 50 से अधिक बौद्ध भिक्षु भाग लेंगे। प्रज्ञा बुद्ध विहार समिति के आरडी पाटील ने बताया कि यह आयोजन बैतूल जिले के लिए गौरव का विषय है, क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में अंतराष्ट्रीय भिक्षुओं का यहां आगमन बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जामठी और सावंगा में कार्यक्रम की विशेष तैयारियां की गई हैं, ताकि सभी श्रद्धालु इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बन सकें।

## बैतूल शिवसेना उद्धव संगठन ने गठित की नई कार्यकारिणी

### अजय मालवीय नगर सचिव, अभिषेक सोनी बने सहसचिव

**बैतूल।** शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे संगठन के बैतूल जिला अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने जिले में संगठन के विस्तार के तहत नई कार्यकारिणी का गठन किया। इस कार्यकारिणी में युवाओं को प्रमुख स्थान दिया गया है। अजय मालवीय को नगर सचिव, अभिषेक सोनी को नगर सहसचिव, प्रकाश सातनकर को विकास वार्ड संजय कॉलोनी का वार्ड प्रमुख, अनूप चौरे को विनोबा वार्ड का वार्ड प्रमुख और वीरेंद्र पवार को पटेल वार्ड का वार्ड प्रमुख नियुक्त किया गया है। सभी को संगठन में निस्वार्थ भाव से सेवा देने और संगठन की नीतियों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। जिला अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने सभी नए पदाधिकारियों से संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शिवसेना उद्धव संगठन जिले में सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है। नियुक्त पदाधिकारियों ने इस अवसर पर संगठन के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने का संकल्प लिया।

## पुलिस ग्राउंड में आज से 10 दिनों तक लगेगा स्वदेशी मेला

### बैतूल के पारंपरिक उत्पादों को मिलेगा नया मंच

**बैतूल।** पुलिस ग्राउंड में आज 1 फरवरी से 10 फरवरी तक भव्य स्वदेशी मेला आयोजित किया जा रहा है। स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में होने वाले इस मेले का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना और स्थानीय उत्पादकों को मंच देना है। जिला संयोजक निलेश गिरी गोस्वामी ने जानकारी दी कि मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मेले में बैतूल के पारंपरिक उत्पादों के साथ अन्य स्वदेशी उत्पादों के कई स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे लोगों को भारतीय उत्पादों को अपनाने का अवसर मिलेगा। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। 10 दिवसीय इस आयोजन में जनजातीय थीम पर आधारित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गई हैं, जिनमें मेंहदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता और मिस एवं मिस्टर स्वदेशी बैतूल जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं शामिल हैं।।स्वदेशी मेले का आयोजन बैतूलवासियों के लिए मनोरंजन के साथ स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। आयोजकों का मानना है कि यह मेला स्थानीय व्यापारियों, कारीगरों और कलाकारों को अपनी कला और उत्पादों को प्रदर्शित करने का सुनहरा मौका देगा।

## वन विभाग ने की फर्नीचर मार्ट पर कार्यवाही, 5 सील

**बैतूल।** बैतूल। वन विभाग ने शाहपुर और साारणी क्षेत्र में 7 फर्नीचर मार्ट्स पर छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई में 5 फर्नीचर मार्ट्स को सील किए गए। इस दौरान अवैध सागौन और फर्नीचर जब्त किए गए। यह कार्रवाई वन वृत्त बैतूल के मुख्य वन संरक्षक बासु कनौजिया (आईएफएस) के मार्गदर्शन और वनमंडलाधिकारी उत्तर बैतूल विजयानन्थम टी.आर. (आईएफएस) के निर्देशन में वन विभाग की टीमों ने की। शुक्रवार सुबह 9.15 बजे शुरू हुई कार्रवाही में फर्नीचर मार्ट्स के स्टॉक और पंजियों की जांच की गई। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर 5 फर्नीचर मार्ट्स को सील कर दिया गया। इस कार्रवाई में प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी बैतूल विनोद जाखड़ (आईएफएस), उपवनमंडलाधिकारी सारणी अजय वाहने, उपवनमंडलाधिकारी शाहपुर उत्तम सिंह सस्तिया के नेतृत्व में सारनी, भौंरा और शाहपुर रेंज के परिक्षेत्र अधिकारियों सहित वृत्त स्तरीय उडऩदस्ता स्टाफ की सात टीमें शामिल रहीं। भारतीय वन अधिनियम 1927, मप्र विनिर्दिष्ट वनोपज व्यापार विनियमन अधिनियम 1959 और काष्ठ चिरान अधिनियम की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन करने के कारण यह कार्रवाई की गई। वन विभाग ने शाहपुर के भयावड़ी स्थित आर्यन फर्नीचर मार्ट में जांच के दौरान 11 नग सागौन

चरपट और अवैध अर्धनिर्मित फर्नीचर पास के घर में चारे के बीच छिपाकर रखा मिला। इसे तुरंत जब्त कर वन अपराध पंजीबद्ध किया गया और मार्ट को सील कर दिया गया। इसी तरह शाहपुर के विजय फर्नीचर मार्ट की जांच के दौरान पता चला कि अवैध सागौन चरपट पास के खेत में छिपाकर रखा गया था। इसे जब्त कर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया और फर्नीचर मार्ट को सील कर दिया गया, वहीं भौंरा स्थित सुभद्रा फर्नीचर मार्ट और शाहपुर स्थित वर्तिका फर्नीचर मार्ट को आवश्यक रिकॉर्ड संधारण में गड़बड़ी के कारण सील किया गया। सोहागपुर ढाना स्थित प्राची फर्नीचर मार्ट को अवैध रूप से चिरान के लिए चैन सॉ का उपयोग करने के कारण सील कर दिया गया। इस छापेमारी में 2023 बैच के परिवीक्षाधीन आईएफएस अधिकारी जयप्रकाश और आकाशपुरी गोस्वामी भी शामिल रहे। वन विभाग के इस कड़े कदम से अवैध रूप से सागौन के व्यापार में लगे लोगों में हडक़ंप मच गया है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

## पुलिस ने मुरम का अवैध परिवहन करते ट्रक पकड़ा

**बैतूल।** पुलिस ने अवैध रूप से मुरम खनन और परिवन करने वाले ट्रक को पकड़ा है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम दाभोना के निकटवर्ती जंगल क्षेत्र में अवैध खनन की गतिविधियाँ चल रही हैं। सूचना मिलते ही आठनेर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां एक आईसर डम्फर (वाहन क्र केए 06 डी-1693) मुरम से भरा हुआ पाया गया। वाहन चालक मोहम्मद इमरान (26) से पूछताछ करने पर चालक द्वारा मुरम परिवहन के कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। खनन की वैधानिक अनुमति नहीं पाई गई। वाहन को मय चालक के अभिरक्षा में लेकर थाना परिसर लाया गया। जिला खनन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया और खनन अधिकारी की उपस्थिति में वैधानिक कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक बबीता धुर्वे, सउनि दिनेश धुर्वे, आरक्षक दिनेश उईके, कचन चौरे, चालक राकेश चौधरी की भूमिका सराहनीय रही।

## रोमांचक मुकाबले में आमला की टीम ने जीता वॉलीबॉल टूर्नामेंट

**बैतूल।** वायगांव में आयोजित तीन दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आमला और बैतूल की टीमों के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में आमला की टीम ने मात्र 2 पॉइंट से जीत दर्ज करते हुए प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया, जबकि बैतूल की टीम को द्वितीय पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के प्रांत संगठन मंत्री गिरीश जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, गिरिराज शुगर मिल के संचालक शुभम अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश पाठक, और मासोद मंडल अध्यक्ष

विजय घोडकी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रांत संगठन मंत्री गिरीश जायसवाल ने इस तरह के आयोजनों को ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम बताया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने भी खिलाडिय़ों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास होता है, टीम वर्क और अनुशासन की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा इस तरह के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को निखारने का बेहतरीन मंच हैं। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए सभी आयोजकों को इस शानदार टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाए दी। आयोजन समिति के संजय लिखितकर ने सभी का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि क्रीड़ा भारती के मार्गदर्शन में श्री राम खेल एवं युवा कल्याण समिति श्री क्षेत्र वायगांव द्वारा 28 जनवरी से 31 जनवरी तक तीन दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था।

## शासन द्वारा निर्धारित गाइड लाइन के अनुसार किया जाए पैथोलॉजी लैब का संचालन : सीएमएचओ

**बैतूल।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उडक़े ने जिले में पैथोलॉजी लैब का संचालन शासन द्वारा निर्धारित गाइड लाइन के अनुसार किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने बताया कि जिले में संचालित निजी अस्पतालों पर क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट का विनियमन उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं, रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापनद्ध अधिनियम 1973 तथा नियम 1997, यथा संशोधित 2021 अनुसार किया जाता है। उक्त नियम के अनुसार यदि विकृति विज्ञान सुविधा तथा प्रयोगशाला सुविधा की व्यवस्थाएं की गई हैं तो एक रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी तथा तकनीशियन की सेवाएं उपलब्ध होना आवश्यक है।

पैथोलॉजी लैब संचालन हेतु शासन स्तर से निर्देशित किया गया है कि निजी पैथोलॉजी लैब का संचालन केवल ऐसे पैथोलॉजिस्ट द्वारा सुनिश्चित किया जाए जो मध्य प्रदेश आयुर्वेद परिषद अधिनियम 1987 की धारा 13 एवं 24 की आवश्यकता को पूर्ण करते हों। किसी भी निजी प्रयोगशाला का संचालन केवल टेक्नीशियन द्वारा किए जाने की अनुमति नहीं है। प्रयोगशाला तकनीशियन केवल इसी प्रयोगशाला में कार्य कर सकता है जो वास्तव में योग्यता धारी पैथोलॉजिस्ट द्वारा स्वयं संचालित या पर्यवेक्षित की जाती हो। योग्यता धारी निजी पैथोलॉजिस्ट स्वयं की प्रयोगशाला के अतिरिक्त केवल एक प्रयोगशाला में पैथोलॉजिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं इस शर्त पर दे सकेंगे कि उक्त प्रयोगशाला में की जा रही जांच उनके सीधे सुपरविजन में की गई हो। जो पैथोलॉजिस्ट अपनी स्वयं की प्रयोगशाला संचालित नहीं करते हैं वह विजिटिंग पैथोलॉजिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं जिले के दो प्रयोगशालाओं की अधिकतम सीमा तक ही देंगे।

सीएमएचओ डॉ.उइके ने कहा कि जिले में किसी भी पैथोलॉजी लैब व कलेक्शन सेंटर का संचालन यदि केवल टेक्नीशियन द्वारा किया जा रहा है, जिनमें प्रतिदिन पंजीकृत पैथोलॉजिस्ट द्वारा विजिट कर उचित परीक्षण नहीं किया जा रहा है तो इससे संभव है कि आमजन को समुचित एवं गुणवत्तापूर्ण जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हो रही हो। अत~ पैथोलॉजी लैब व कलेक्शन सेंटर संचालकों को सूचित किया जाता है कि शीघ्र अतिशीघ्र शासन के नियमानुसार पैथोलॉजी लैब व कलेक्शन सेंटर का संचालन करना सुनिश्चित करें। अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

## किसान संगठन में युवा नेताओं को मिला महत्वपूर्ण स्थान

**नरसिंहपुर।** राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ मध्यप्रदेश के मध्य प्रांत की तहसील सिलवानी, जिला रायसेन के ट्रैक्टर मार्च, आमसभा एवं धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के पश्चात नरसिंहपुर जिले के युवा किसान नेताओं को संगठन में पदोन्नति की गई है । नरसिंहपुर जिले के ऋषिराज पटेल को राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार कक्काजी की उपस्थिति में युवा प्रदेश उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया ।साथ ही पूर्व जिला अध्यक्ष कमल सिंह लोधी को युवा संभाग उपाध्यक्ष जबलपुर संभाग का दायित्व एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह को नरसिंहपुर जिले की युवा इकाई में जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया । इसके अलावा नरसिंहपुर तहसील से विनोद गुमास्ता को नरसिंहपुर तहसील अध्यक्ष और दिनेश कुमार लोधी को करेली तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया ।

## नर्मदा जयंती पर बरमानघाट में होगा निर्झरणी महोत्सव

**नरसिंहपुर।** राज्य शासन के संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से 4 फरवरी 2025 को नर्मदा जयंती के अवसर पर पवित्र मां नर्मदा के प्रति धन्यता का उत्सव निर्झरणी महोत्सव का आयोजन सायं 6.30 बजे से जिले के बरमानघाट में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सम्पन्न किया जायेगा। निर्झरणी महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उज्जैन के श्री रामचंद्र गांगोलिया एवं उनके साथी द्वारा मालवी लोकगायन व भोपाल के कविता शाजी एवं उनके साथियों द्वारा ओम नर्मदे नमः पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया जायेगा। इसके अलावा सिवनी के रूद्रकांत ठाकुर एवं उनके साथी द्वारा भक्ति गायन का आयोजन किया जायेगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से उपस्थिति की अपेक्षा की है।

## लीनेस क्लब संस्कार का शपथ ग्रहण संपन्न

**नरसिंहपुर।** लीनेस क्लब नरसिंहपुर का शपथ ग्रहण कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति कौरव सहायक प्राध्यापक एवं श्रीमती रमा दुबे पूर्व परियोजना अधिकारी ने मां शारदे को माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।लीनेस सुषमा तिवारी ने सरस्वती वंदना का गायन किया, लीनेस वत्सला त्रिवेदी ने ध्वज वंदना पढी।रेनसी नरोदिया एवं मानसी मेहरा ने देवी वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया ।निवर्तमान अध्यक्ष सुषमा तिवारी ने अपने भाषण में कार्यकाल में सहयोग के लिए सभी साथियों का आभार व्यक्त किया ।सचिव रचना त्रिवेदी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शपथ अधिकारी लीनेस सुमन शर्मा ने सत्र 2025 के लिए अध्यक्ष लीनेस ज्योति तिवारी, सचिव लीनेस मनीषा पुरोहित एवं लीनेस कोषाध्यक्ष ज्योति पचौरी को शपथ दिलाई । उपाध्यक्ष के लिए नीता शर्मा रचना त्रिवेदी ,सहसचिव वत्सला त्रिवेदी, सह कोषाध्यक्ष कुसुम राजपूत ने भी शपथ ली। कार्यक्रम में के मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति कौरव ने महिलाओं की मानसिक स्वतंत्रता ना मिलने की बात कही ,श्रीमती रमा दुबे ने महिलाओं के एक बच्ची से परिपक्व होने तक के सफर पर प्रकाश डाला ।पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष संध्या कोठारी ने स्थाई प्रोजेक्ट,जो महिलाओं के हित में हो पर काम करने की बात रखी।अध्यक्ष 2025 लीनेस ज्योति तिवारी ने अपने प्रथम अध्यक्षीय भाषण में आगामी कार्यक्रमों की योजना की जानकारी देते हुए कहा कि वह क्लब की उन्नति के लिए सदैव प्रयासरत रहेगी ।इस समारोह में लीनेस बलजीत कौर लीनेस शिखा साहू ,लीनेस कुसुम राजपूत, लीनेस नंदिता चौबे ,लीनेस गीता मिश्रा की उपस्थिति रही। क्लब की बीओडी मेंबर लीनेस सरला निगम, लीनेस मालती त्रिवेदी, लीनेस कमला मिश्रा ,लीनेस गीता दुबे का मार्गदर्शन मिला इस कार्यक्रम में कुछ नए सदस्यों ने भी शपथ ली जिनमे श्रीमती सुषमा मिश्रा ,श्रीमती ममता गुप्ता, श्रीमती दुर्गा राय, श्रीमती अंजना दुबे,श्रीमती मनीषा टंडन एवं श्रीमती शालू भाटिया प्रमुख रही।

## 'मैं भी बाघ' और हम हैं बदलाव'' थीम पर

### वन विहार में वन, वन्य-प्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता शिविर

**भोपाल।** वन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल के समन्वय से 'मैं भी बाघ'' और 'हम हैं बदलाव'' थीम पर प्रशिक्षण-सह-जागरूकता शिविर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में आयोजित किया गया। शिविर में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिसरोद के 120 छात्र-छात्राओं और 5 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की।

शिविर में सम्मिलित हुए प्रत्येक छात्र-छात्रा को अनुभूति बुक, अनुभूति बैग, कैप, ब्रोशर दिये गये। छात्र-छात्राओं को जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति, गिद्ध कुंजी के ब्रोशर भी दिये गये। मास्टर ट्रेनर एवं नवीन प्रेरकों द्वारा पक्षी दर्शन, वन्य-जीव दर्शन, प्रकृति पथ-भ्रमण स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी दी गयी। शिविर में शामिल सहभागियों ने फूड बैग, फूड चैन जैसे खेल खेलकर वन, वन्य-जीव एवं पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसमें सहभागिता करने वालों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया गया। रेस्क्यू टीम द्वारा छात्र-छात्राओं को वन्य-जीवों को कैसे रेस्क्यू किया जाता है, के संबंध में रेस्क्यू वाहन के माध्यम से रेस्क्यू करने संबंधी जानकारी दी गयी। इसका सभी सहभागियों ने भरपूर आनंद लिया। अनुभूति कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर के रूप में सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक डॉ. एस.आर. वाघमारे और वन विहार के सहायक संचालक श्री एस.के. सिन्हा एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के समापन में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. समिता राजौरा, उप वन संरक्षक ईको पर्यटन विकास बोर्ड श्री स्वरूप कुमार दीक्षित विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर में सम्मिलित सभी छात्र-छात्राओं को वन्य-जीव, पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। सहभागियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये गये।

## बैतूल के सांपना डैम में मिली अज्ञात युवक की लाश

**बैतूल।** बैतूल के पास सांपना जलाशय में गुरुवार शाम एक अज्ञात युवक की लाश मिली। जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसका शव डैम में तैरता मिला था। मृतक के डीएनए की कार्रवाई की जा रही है। जबकि उसकी तलाश के लिए एमपी सहित अलग-अलग राज्यों के गुम इंसान ग्रुप पर इसकी जानकारी भेजी गई है। टीआई अंजना धुर्वे ने बताया कि गुरुवार लोगों ने हंड्रेड डायल पर सूचना दी थी कि परतापुर के पास सांपना जलाशय में एक व्यक्ति का शव तैर रहा है। अज्ञात युवक जलाशय के पानी में डूबा हुआ था, जिसका मुंह पानी में था। पुलिस ने शव को बाहर निकाला और पंचनामा बनाया। युवक लोअर और टीशर्ट पहने हुए था। मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल मर्चुरी में रखा है, मृतक की पहचान करने की कोशिश में जुटी हुई है। उसके पास से न तो कोई पहचान दस्तावेज मिला है और न ही उसके शरीर पर ऐसे कोई चिन्ह या गुदना मिला है, जिससे उसकी पहचान हो सके। लोअर, टीशर्ट पहने इस व्यक्ति के एक पैर में चप्पल मिली है। पुलिस ने शव को फ्रीजर में सुरक्षित करवा दिया है।

# गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में पेरेंट्स - टीचर्स मीटिंग का आयोजन

**भोपाल।** गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में एमबीबीएस 2024 बैच के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के साथ पेरेंट्स - टीचर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। यह प्रथम अवसर था कि प्रदेश के किसी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में अधिष्ठाता एवं चिकित्सा शिक्षकों और चिकित्सा छात्रों के अभिभावकों के मध्य आधिकारिक तौर पर बैठक हुई। इस बैठक में चिकित्सा छात्रा छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए अनेक चर्चाएं हुई।

अभिभावकों को एन. एम. सी. निर्धारित कॉम्पिटेंसी आधारित पाठ्यक्रम की महत्ता के विषय में बताया गया। व्याख्यानों एवं क्लिनिकल कक्षाओं में छात्र- छात्राओं की उपस्थिति अति महत्वपूर्ण है, यह भी समझाया गया। अधिष्ठाता महोदया द्वारा महाविद्यालय परिसर में नियमों के पालन, अनुशासन एवं पेशे की गरिमा बनाए रखने की बात कही गई। कक्षाओं में उपस्थिति कम होने पर एवं अनुशासनहीनता की शिकायत होने पर किसी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी एवं महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों के अभिभावकों को सूचना दी जाएगी। इन मामलों में त्वरित जांच करके उचित कार्यवाही की जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि प्रति 6 माह में महाविद्यालय में इस बैठक का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा। अभिभावक गण, चिकित्सा शिक्षक एवं अधिष्ठाता मिल कर चिकित्सा छात्रों के भविष्य की बेहतरी हेतु कार्य करेंगे। छात्र छात्राओं के अभिभावकों द्वारा महाविद्यालय प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की गई। मीटिंग के दौरान अधिष्ठाता डॉ कविता सिंह के साथ साथ डॉ सुधीर सिंह पाल, डॉ एना एलेक्स, डॉ यशपाल रमोले, डॉ रतन कुमार, डॉ तृप्ती सक्सेना, डॉ राजेन्द्र बराव भी उपस्थित रहे।

## एम्स द्वारा कुष्ठ रोग जागरूकता स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. ( डॉ. ) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, एम्स भोपाल ने सीएचसी गोहरगंज में एक स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य सामान्य बाह्य रोगी सेवाएं और विशेष त्वचा रोग देखभाल प्रदान करना था। इस पहल का उद्देश्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करना और कुष्ठ रोग सहित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने सामान्य बाह्य रोगी परामर्श सेवाएं प्रदान कीं, जिनमें रोग की रोकथाम और प्रारंभिक निदान पर विशेष जोर दिया गया ताकि स्थानीय आबादी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस प्रयास का उद्देश्य सामुदायिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करना था, जिसमें समय पर हस्तक्षेप और नियमित स्वास्थ्य जांच को बढ़ावा दिया गया। त्वचा रोग विभाग ने एक लक्षित आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से अपनी सेवाओं का विस्तार किया, जिसमें विशेष बाह्य रोगी सेवाएं और कुष्ठ रोग पर एक समर्पित स्वास्थ्य जागरूकता सत्र शामिल था। इस शैक्षणिक सत्र का उद्देश्य समुदाय को कुष्ठ रोग के कारणों, लक्षणों और उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में जानकारी देना था, साथ ही इस बीमारी से जुड़ी भ्रांतियों और सामाजिक कलंक को दूर करना था।

जागरूकता सत्र की एक प्रमुख विशेषता त्वचा रोग टीम के सदस्यों द्वारा रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया एक आकर्षक नाटक था। इस नाटक ने संबंधित कहानियों के माध्यम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया और कुष्ठ रोग की प्रारंभिक पहचान, उपलब्ध उपचारों और प्रभावित व्यक्तियों के लिए सामुदायिक समर्थन के महत्व पर प्रभावी संदेश दिए। इस प्रदर्शन की इंटरैक्टिव प्रकृति ने समुदाय की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया, जिससे एक खुला और शिक्षाप्रद माहौल बना। प्रो. सिंह ने इस शिविर के महत्व पर जोर देते हुए कहा- इस तरह के स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चिकित्सा सेवाओं को जागरूकता कार्यक्रमों के साथ जोड़कर, हम समुदायों को स्वास्थ्य चुनौतियों से सक्रिय रूप से निपटने के लिए सशक्त बनाते हैं।

## कलेक्टर ने की लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक

**नरसिंहपुर।** कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्याम सिंह ठाकुर, सिविल सर्जन डॉ. जीसी चौरसिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एआर मरावी, जिला टीकाकरण अधिकारी, समस्त बीएमओ, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, अन्य अधिकारी- कर्मचारी और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मरावी ने संचालित विभागीय योजनाओं की प्रगति के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में कलेक्टर ने जिले में संचालित 100 दिवसीय निक्षय अभियान के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले में शतप्रतिशत निक्षय आईडी बनाई जाये। उन्होंने कहा कि अभियान के 45 दिन शेष है। इन शेष दिवसों में रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से लैब टेक्नीशियन की आंशिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्लान तैयार कर प्रस्तुत किया जाये। इस कार्य में विभाग में कार्यरत एमपीडब्ल्यू को प्रशिक्षित किया जाये। कलेक्टर ने कम एक्स- रे होने पर अप्रसन्नता व्यक्त कर ओपीडी में मरीजों के अधिक से अधिक एक्स- रे कराये जायें। अभियान के अंतर्गत नोटिफिकेशन में कमी लाने पर चिकित्सकों द्वारा ओपीडी रेफरल बढ़ाया जाये। गुणवत्ता पूर्ण सेंपल लिया जाये। मैदानी स्तर पर आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ता घर- घर जाकर स्क्रीनिंग की जाये। क्षय बीमारी के अंतर्गत मिलने वाले मरीजों के लक्षणों के आधार पर खकार जांच किया जाये एवं उपचार के लिए रेफर किया जाये। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु को रोकने के लिए कारणों को जानकार दूर करने के लिए कार्य योजना तैयार की जाये। जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में जांच व उपचार समय सीमा में हो। गर्भावस्था के समय से प्रसव के 42 दिवस के पश्चात तक मैदानी स्तर पर सीएचओ, एएनएम, आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ता द्वारा घर- घर जाकर निगरानी की जाये व परामर्श दिया जाये। इसके लिए ग्राम स्तर पर आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ता आपसी समन्वय से कार्य किया जाये।

## स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने बीएलएस और एसीएलएस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, एम्स भोपाल ने बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएसएल) और एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) पर एक व्यापक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की है, जो 30 जनवरी से 1 फरवरी 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) द्वारा मान्यता प्राप्त इस कोर्स का उद्देश्य इस क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करना है। यह कार्यक्रम डॉ. रजनीश जोशी, डॉ. सौरभ सैगल और डॉ. भूपेश्वरी पटेल के समन्वय में आयोजित किया जा रहा है। इस कोर्स का संचालन एएचए कोर्स कोऑर्डिनेटर्स डॉ. शहताज खान और डॉ. श्रुति दुबे के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में किया जाएगा।डॉ. राजकुमार एलंजेरन, जो दक्षिण एशिया के लिए एएचए के क्षेत्रीय संकाय और कोर्स निदेशक हैं, तथा डॉ. शाजी थॉमस, जो एएचए प्रशिक्षण केंद्र संकाय हैं, भी इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

प्रोफेसर सिंह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर जोर देते हुए कहा, मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थितियों में हर सेकंड महत्वपूर्ण होता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आपातकालीन चिकित्सा देखभाल में हमारी प्रतिबद्धता और समाज की सेवा के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है। हमारे स्वास्थ्य कर्मियों को इन अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कौशलों से लैस करके हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे नागरिकों को आवश्यकता पड़ने पर उच्चतम मानक की आपातकालीन देखभाल प्राप्त हो। प्रोफेसर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और जीवन बचाने के व्यावहारिक उपायों के महत्व पर जोर दिया। यह व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम वयस्कों और बच्चों में जीवन रक्षक कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाले कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन ,श्वसन और हृदयगति रुकने की स्थिति का प्रबंधन, और स्वचालित बाह्य डिफ़िब्रिलेटर के प्रभावी उपयोग को सिखाया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आपात स्थितियों से निपटने, दिल का दौरा और स्ट्रोक को पहचानने और उनका प्रबंधन करने में महारत हासिल करने, तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया के दौरान प्रभावी टीम संचार विकसित करना है।

### भाजयुमो ने किया भाजपा के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक का सम्मान

## युवा मोर्चा कार्यकर्ता ही भाजपा संगठन की रीढ़ : पाठक

**नरसिंहपुर।** भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला नरसिंहपुर द्वारा भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक का सम्मान किया गया, महापुरुषों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की, सम्मान सामारोह मे अध्यक्षीय भाषण देते हुए युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रियांक जैन ने नव नियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष को शुभकामनायें देते हुए कहा कि रामस्नेही पाठक जी के नेतृत्व मे संगठन नित नए आयाम स्थापित करेगा,युवा मोर्चा के एक एक कार्यकर्ता को जो भी दायित्व मिलेगा वह उसे निष्ठा के साथ पूरा करेगा,और कदम से कदम मिलाते हुए आने वाले कार्यक्रम अभियानो मे युवा मोर्चा प्रभावी रूप से सक्रियता के साथ कार्य करेंगी सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए नव नियुक्त जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते हैं. कार्यकर्ताओं के बदौलत ही आज भाजपा को दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन होने का गौरव प्राप्त है. भाजपा में कोई नेता नहीं, बल्कि सभी कार्यकर्ता होते हैं. पार्टी में मोदी जी भी एक कार्यकर्ता की भांति काम करते हैं. उनसे प्रेरणा लेकर भाजपा के कार्यकर्ता सेवा ही संगठन के मूल मंत्र के साथ गांव, गलियारों, मोहल्लों में लोगों की सेवा में जुटे हुए रहते हैं. जिसका प्रगटीकरण इस चुनाव में देखने को मिला. .सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। यहां पद नहीं दायित्व दिया जाता है। पार्टी ने जिस उम्मीद से मुझे जिलाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है, कार्यकर्ताओं के सहयोग से उस उम्मीद को पूरा करने का हरसंभव प्रयास करूंगा।भाजपा जिला महामंत्री डा हरगोविंद पटेल ने कहा कि हमारी पार्टी संघर्ष का सफर तय करते हुए आगे बढ़ी हैं उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम की बदौलत ही यह चुनाव एक सुखद परिणाम दिया और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने, उन्होंने आगे कहा कि भाजपा में कार्यकर्ताओं को जितना तब्बज्जो दिया जाता है, उतना सम्मान अन्य राजनीतिक दल में नहीं मिलता है. जिला महामंत्री ठाकुर राजीव सिंह ने अपने अपने संबोधन में पार्टी के मजबूती पर चर्चा करते हुए कहा कि आने वाला समय भी पार्टी कार्यकर्ताओं का ही, जिसमें वे अपने प्रतिभा के बल पर नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं नव नियुक्त जिलाध्यक्ष श्री पाठक के साथ सभी कार्यकर्ता आने वाले सभी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक पूरा करते हुए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे उक्त जानकारी देते हुए युवा मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे ने बताया कि अंत मे युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रियांक जैन के नेतृत्व मे भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक को माँ नर्मदा जी का चित्र और गदा भेट कर सम्मानित किया साथ ही साथ जिले के मंडल के पदाधिकारियों ने भी स्वागत किया कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा जिला महामंत्री अभिषेक रघुवंशी, आभार युवा मोर्चा जिला महामंत्री दिनेश गुर्जर ने किया।

## सर्वश्रेष्ठ विद्यालय है गर्भावस्था.. स्वामी नित्यानंद गिरी

**नरसिंहपुर।** मनुष्य 9 माह मां के गर्भ में जितना सीखता है उतना अपनी 90वर्ष की उम्र में भी नहीं सीख पाता। मां के आचार विचार और समस्त गुण संतान में आते हैं। मां को आदर्श संतान चाहिए तो वह सदाचार सेवा संयम विवेक धर्म और भक्ति को धारण करते हुए संतान को जन्म दे।भक्त प्रह्लाद ध्रुव मीरा तुलसी सूर कबीर नानक नामदेव इन सबको गर्भावस्था में ही मां के सदाचरण सुसंस्कार मिले और ये सभी अपने अपने क्षेत्रों में महान हुए। मां बाप अपनी संतान को नैतिक शिक्षा दे।उच्च संस्कार दें।उन्हें धर्म सदाचार सेवा परोपकार से जोड़ते हुए राष्ट्रभक्ति और भगवान भक्ति की प्रेरणा दें।उक्ताशय के कथा प्रवचन ऋषिकेश से आये प्रमुख वक्ता स्वामी सदाशिव नित्यानंद जी महाराज ने जिला मुख्यालय के समीपी नर्मदा तट ग्वारी घाट में आयोजित कथा के द्वितीय दिवस पर व्यक्त किये।यजमान पं.मनोज बाजपेई द्वारा आयोजित और नर्मदा जयंती तक चलने वाले इस कथा सत्संग में प्रतिदिन अनेकानेक गणमान्य जन श्रीमद भागवत कथा अमृत का श्रवण लाभ ले रहे हैं।

## परामर्शदाता-मेंटर्स द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक

**नरसिंहपुर।** विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातक- सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाता- मेंटर्स के जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला के द्वितीय दिवस के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान शहीद दिवस पर अमर बलिदानियों व शहीदों के प्रति दो मिनिट मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। विधायक श्री पटेल ने कहा कि मप्र जनअभियान परिषद द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास के लिए समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के माध्यम से राज्य शासन की योजनाओं व क्रियान्वयन और अभियानों में इनकी विशेष भूमिका रहती है। यह आवासीय प्रशिक्षण लेने वाले प्रशिक्षक को पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक के साथ व्यवहारिक ज्ञान में बढ़ोत्तरी होगी। संभागीय समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद जबलपुर श्री रवि प्रसाद बर्मन ने प्रशिक्षण कार्यशाला के बाद सम्पर्क कक्षाओं तथा प्रायोगिक ग्राम में की जाने वाली गतिविधियों की रूपरेखा व परामर्शदाताओं की भूमिका के संबंध में मार्गदर्शन दिया। जिला परिवाद समिति की अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी ने बताया की यह पाठ्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों की पूर्ति कर सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में अहर्ताओं को पूर्ण करता है, जो छात्रों लिए लाभकारी है। प्रशिक्षण कार्यशाला के द्वितीय दिवस का शुभारंभ योग व्यायाम व आसनों तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला के प्रथम सत्र में जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा ने ÷फील्ड वर्क मैन्युवल के निर्धारित दायित्व के आधार पर तथ्यों का संकलन व प्रतिवेदन लेखन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय सत्र में विकासखण्ड समन्वयक गोटेगांव श्री प्रतीक दुबे ने ब्रेन स्टॉर्मिंग के अंतर्गत समूह कार्य, जिसमें ÷मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम एवं जल संरक्षण व संवर्धन के विषय पर प्रशिक्षण दिया और मेंटर्स द्वारा प्रस्तुतीकरण कराया गया। तृतीय सत्र में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय सतना के प्राध्यापक डॉ. योगेश कुमार सिंह ने परीक्षा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उत्तर दायित्वों व लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के प्रावधान और अनुप्रयोग के बारे में जानकारी दी। चतुर्थ सत्र में प्राध्यापक गणित पीएम एक्सीलेंस शा. स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय नरसिंहपुर डॉ. गणेश कुमार सोनी ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट, इंटर्नशिप एवं अन्य संबंधित आयामों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। पंचम सत्र में परामर्शदाता प्रशिक्षण के प्रभाव का आंकलन- टेस्ट एवं फीडबैक की गतिविधि कराई गई। द्वितीय दिवस के षष्ठम सत्र में ÷सामाजिक सरोकार के विषय एवं पाठ्यक्रम की उपयोगिता तथा छात्रों की भूमिका विषय पर जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का संचालन समन्वयक श्री प्रतीक दुबे एवं सुश्री स्मिता दांडे और आभार समन्वयक चांवरपाठा श्री धर्मेंद्र चौहान ने व्यक्त किया।

## अटल जन्मशताब्दी वर्ष एवं आजीवन सहयोग निधि की जिलास्तरीय कामकाजी बैठक

### महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर भाजपा जन ने किया मूर्ति पर माल्यार्पण

**नरसिंहपुर।** भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय नरसिंहपुर में भारत रत्न पं.अटल बिहारी बाजपेयी जी की 100 वी जन्म जयंति के उपलक्ष में वर्ष भर चलने वाले अटल जन्मशताब्दी कार्यक्रमों व आजीवन सहयोग निधी के संचय हेतु कामकाजी बैठक सम्पन्न हुई बैठक के पूर्व सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि के अवसर पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता, विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, जिला महामंत्री डॉ.हरगोविन्द सिंह पटैल, ठाकुर राजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष हरिप्रताप ममार, जिला आई.टी.प्रभारी ध्रुव चौरसिया की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री पाठक ने महात्मा गांधी जी को नमन करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने केवल गांधी जी के नाम का उपयोग कर लोगों को छलने का कार्य किया है मगर हमने गांधी जी के विचारों को अपनी पंचनिष्ठाओं में स्थान देकर उसे जिया है और उनके विचारों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में शामिलकर जन जन तक पहुंचाया है। हम सभी उस पार्टी के भाग्यशाली कार्यकर्ता है, जिन्हे अटल जी जैसे विराट व्यक्तित्व का नेता प्राप्त हुआ था। पार्टी द्वारा उनकी स्मृति में अटल जनशताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत जिले के सभी मंडलों के बूथों पर वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किए जावेगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अटल जी के प्रेरक प्रसंगों व उनकी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना है। श्री पाठक ने आगामी 11 फरवरी पं.दीनदयाल जी की पुण्य तिथि से शुरू होने वाले आजीवन सहयोग निधि की जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी ही एक मात्र ऐसा दल है जो कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत से कमाए हुए पैसों की दम पर कार्य करता है। आजीवन सहयोग निधि का अर्थ ही है। जब तक जीवित रहूंगा पार्टी का आर्थिक सहयोग करूंगा। अतः इस ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए आप सभी भाजपा जन प्रत्येक कार्यकर्ताओं के घर घर तक पहुंचे और उनकी आजीवन सहयोग निधि का संचय कर पार्टी को आर्थिक रूप से मजबूत करें।तेन्दुखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सरकार अटल जी के विचारों को समर्पित सरकार है। इसका उदाहरण मोदी जी द्वारा अटल जी की स्मृति में भवन विहीन पंचायतों को अटल सुशासन भवन देने का कार्य कर उनके विकास के द्वार खोले है। हम रहे या न रहे मगर इन अटल सुशासन भवनों के माध्यम से जनकल्याण के कार्य सदैव होते रहेगे।बैठक की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि आगामी समय में किए जाने वाले कार्यक्रमों का वृत्त जिला महामंत्री डॉ.हरगोविन्द पटेल द्वारा रखा गया बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा व आभार जिला कोषाध्यक्ष नीलकमल जैन ने किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी गण, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों अध्यक्ष व संयोजक, गण मंडल अध्यक्षगण उपस्थित रहे।

॥ मंदिरम् ॥ 26

## पंचवक्त्र मंदिर, हिमाचल प्रदेश

सुकेती और ब्यास नदियों के संगम पर स्थित पंचवक्त्र मंदिर की शांत सुंदरता देश भर से बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित करती है। मंदिर एक विशाल मंच पर खड़ा है और बहुत अच्छी तरह से सुसज्जित है। पंचवक्त्र मंदिर भगवान शिव को समर्पित एक सर्वोच्च मंदिर है। मंदिर विशिष्ट शिखर वास्तुकला शैली में बनाया गया है जो आश्चर्यजनक लगता है। मंदिर को इसका नाम भगवान शिव की पांच मुख वाली मूर्ति से मिला है, जिसमें से सामने से देखने पर केवल तीन ही दिखाई देते हैं। यह संरक्षित स्मारकों में से एक है जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत आता है और इसे राष्ट्रीय स्थल घोषित किया गया है। पंचवक्त्र मंदिर के अंदर भगवान शिव की एक विशाल प्रतिमा है। प्रतिमा के पाँच मुख हैं जो भगवान शिव के विभिन्न चरित्रों को दर्शाते हैं– अघोरा, ईशान, तत्पुरुष, वामदेव और रुद्र। अंगोरा विनाशकारी प्रकृति है, ईशान सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है, तत्पुरुष उसका अहंकार है, वामदेव स्त्री पहलू है और रुद्र उसका रचनात्मक और विनाशकारी पहलू है। पंचवक्त्र को इन सभी के मिलन के रूप में परिभाषित किया गया है।

# उज्जैन कुंभ में वीआईपी एंट्री हो प्रतिबंधित

## स्नान के लिए अखाड़ों का अलग-अलग स्थान हो, पुजारी संघ ने सीएम को लिखा पत्र

**उज्जैन (नप्र)।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में भगदड़ जैसी दुर्घटना हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए और कई लोगों की मृत्यु हो गई। ऐसी कोई दुर्घटना या हादसा उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ कुंभ 2028 में न हो, इसके लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने एक सुझाव पत्र भेजा है।

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के अध्यक्ष महेश पुजारी ने बताया कि 2028 के कुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। सभी श्रद्धालुओं के साथ समान व्यवहार किया जाए। जब सिंहस्थ में क्षिप्रा के हर घाट को रामघाट के रूप में प्रचारित कर श्रद्धालुओं को वहीं स्नान करने की अपील की जाती है, तब तेरह अखाड़े वैभव प्रदर्शन करते हुए रामघाट पर

जाकर स्नान करते हैं। उस दौरान श्रद्धालुओं को नदी क्षेत्र में जाने से रोक दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं का दबाव बढ़ता है और भगदड़ या हादसों की आशंका उत्पन्न होती है।

**तेरह अखाड़ों का स्नान अलग-अलग घाट पर हो–** पुजारी महासंघ ने सुझाव दिया कि स्नान के समय अखाड़ों की पेशवाई को बंद किया जाना चाहिए और साधु-संतों को साधारण रूप से, अपने अनुयायियों और यजमानों के बिना, पैदल ही स्नान के लिए जाना चाहिए। स्नान करने जाने में किस बात का वैभव ओर प्रदर्शन, क्योंकि संत परंपरा त्याग का प्रतीक है। जब क्षिप्रा सभी स्थानों पर पवित्र है, तो तेरह अखाड़ों के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित किए जाने चाहिए, जैसे शैव दल को नृसिंह घाट से लेकर त्रिवेणी तक और राम दल को मंगलनाथ क्षेत्र में। इससे संबंधित अखाड़ों के साधु-संत वहां जाकर स्नान कर सकें। जब इन अखाड़ों का स्नान हो जाए, तब अन्य श्रद्धालुओं के स्नान के लिए घाट खोल दिए जाएं।

**वीवीआईपी को मेला क्षेत्र में प्रतिबंधित किया जाए–** रामघाट पर सर्वप्रथम केवल सनातन धर्म के सर्वोच्च चारों शंकराचार्यों को ही स्नान की अनुमति दी जानी चाहिए, अन्य अखाड़ों को नहीं। सभी वीआईपी और वीवीआईपी को मेला क्षेत्र में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, ताकि आम श्रद्धालु अपनी भावना और आस्था के साथ सुरक्षित रूप से क्षिप्रा में पुण्य स्नान का लाभ ले सकें।

यदि सरकार उपरोक्त सुझावों को सिंहस्थ 2028 में लागू करती है, तो निश्चित ही सिंहस्थ में किसी प्रकार की भगदड़ या अव्यवस्था नहीं होगी और विश्व पटल पर सरकार और उज्जैन का नाम रोशन होगा।

## अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण तिथि बढ़ाई गयी

**भोपाल।** प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवेदन करने की तिथि में वृद्धि की गयी है। अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण और नवीन मान्यता आवेदन की अंतिम तिथि सामान्य शुल्क के साथ 7 फरवरी, 2025 और विलंब शुल्क के साथ 14 फरवरी निर्धारित की गयी है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने आदेश जारी किये हैं।

पूर्व में यह आवेदन सामान्य शुल्क के साथ 31 जनवरी और विलंब शुल्क के साथ 7 फरवरी तक जमा किये जा सकते थे। आदेश में कहा गया है कि अब निर्धारित की गयी तिथि के बाद समय में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जायेगी।

## शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों को सुदृढ़ करने के लिए किये जा रहे हैं सुनियोजित प्रयास : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

### हमीदिया अस्पताल को मिलेंगे 3 करोड़ 45 लाख रुपये लागत के अत्याधुनिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी उपकरण

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। गांधी मेडिकल कॉलेज और हमीदिया अस्पताल में अत्याधुनिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी उपकरणों की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य है कि शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों को अत्याधुनिक उपकरणों और उन्नत चिकित्सा सेवाओं से सुसज्जित किया जाए। राज्य के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों को भी ऐसे उन्नत उपकरणों से लैस करने की योजना पर कार्य कर रही है। उन्होंने चिकित्सकों से इन सुविधाओं का उपयोग कर राज्य के नागरिकों को श्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिये हैं। गांधी मेडिकल कॉलेज और हमीदिया अस्पताल में 3 करोड़ 45 लाख रुपये लागत के अत्याधुनिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी उपकरणों की स्थापना की स्वीकृति दी गयी है। इनमें एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (EUS), एसोफेजियल मैनोमेट्री, पीएच मैट्री और ब्रीथ एनालाइज़र जैसी तकनीकें शामिल हैं। यह उन्नत सुविधाएँ किसी भी सरकारी अस्पताल में पहली बार उपलब्ध कराई गई हैं। इन नवीन उपकरणों की मदद से पाचन तंत्र की गंभीर बीमारियों की सटीक और त्वरित पहचान संभव हो सकेगी। अब मध्य प्रदेश के मरीजों को उन्नत और सटीक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी उपचार के लिए अन्य राज्यों या निजी अस्पतालों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

**उपकरणों का विवरण–** एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (EUS): पेट और आंतों की गहराई से जांच कर कैंसर, पैंक्रियास की बीमारियों और अन्य गंभीर समस्याओं का जल्द पता लगाने में मदद करता है।

एसोफेजियल मैनोमेट्रीः निगलने में होने वाली समस्याओं के सही निदान में सहायक।

पीएच मैट्रीः एसिडिटी और रिफ्लक्स से जुड़ी बीमारियों के सटीक निदान के लिए उपयोगी।

ब्रीथ एनालाइज़रः एक दर्द-रहित जांच जो आंतों में बैक्टीरिया की अधिकता और लैक्टोज असहिष्णुता जैसी समस्याओं का पता लगाने में मदद करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान दौरे के चौथे दिन क्योटो के निजो-जो कैसल का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री क्योटो के टोजी टेम्पल के पुजारी ने मंदिर के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी दी।

## भिंड कलेक्टर पर रेत माफिया का हमला

### अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली छुड़वाने किया पथराव सुरक्षाकर्मियों ने फायरिंग की तो भाग निकले

**भिंड (नप्र)।** भिंड कलेक्टर पर गुरुवार देर रात रेत माफिया ने हमला कर दिया। कलेक्टर उमरी इलाके में रेत का अवैध खनन रोकने गए थे। बदमाशों ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली छुड़ाने के लिए पथराव कर दिया। कलेक्टर के सुरक्षाकर्मियों ने फायरिंग कर बदमाशों को खदेड़ा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

हालांकि, कलेक्टर श्रीवास्तव का कहना है कि मैं ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ने के बाद खनिज विभाग को सौंपकर वहां से निकल आया था। माफिया ने खनिज विभाग की टीम से ट्रैक्टर-ट्रॉली छीनने का प्रयास किया था। मामले में एफआईआर करवा रहे हैं।

**रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली रोकी थी–** जानकारी के मुताबिक, कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव गुरुवार रात ककारा रेत खदान का निरीक्षण करने के लिए प्राइवेट वाहन से निकले थे। उनके साथ राजस्व अमला और स्थानीय थाने का स्टाफ नहीं था। खदान इलाके में उन्होंने एक खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली देखी। उसे रोककर ड्राइवर से पूछताछ करने लगे। इसी बीच रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली आई तो कलेक्टर ने उसे रोका। ड्राइवर ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर मौके से भाग निकला। कलेक्टर ने पास ही खड़ी खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली के ड्राइवर को कहा कि वह रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को उमरी थाने पहुंचा दे। कलेक्टर अपनी गाड़ी से उसके पीछे चल पड़े।

संजीव श्रीवास्तव, कलेक्टर

**दो वाहनों से आए रेत माफिया के लोग–** इसी दौरान दो वाहनों से कुछ लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर को रोक लिया। पीछे चल रहे कलेक्टर ने भी अपनी गाड़ी रोक दी। ट्रैक्टर रुकवाने वाले लोगों ने कलेक्टर की गाड़ी पर पथराव शुरू कर दिया। कलेक्टर के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। बदमाशों को ललकारते हुए चार-पांच राउंड फायर किए। जिसके बाद रेत माफिया के लोग अपनी गाड़ियां छोड़कर भाग निकले।

**टीआई बोले- हमलावरों को जल्द पकड़ लेंगे–** जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। रेत माफिया के वाहनों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली को उमरी थाने लाया गया। थाना प्रभारी शिवप्रताप सिंह राजावत ने कहा कि हमलावरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

## पहले अधिकारी चखते हैं फिर सौरभ को देते हैं खाना

### भोपाल में हाई सिक्योरिटी सेल में करोड़पति कॉन्स्टेबल, 24 घंटे में मेडिकल चेकअप

**भोपाल (नप्र)।** आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके दोनों सहयोगियों शरद जायसवाल और चेतन को पुलिस रिमांड के दौरान हाई सिक्योरिटी में रखा गया है। हर 24 घंटे में तीनों का मेडिकल चेकअप कराया जा रहा है। तीनों के लिए खाना लोकायुक्त कार्यालय में बने किचन में ही तैयार कराया जाता है। इस खाने को पहले अधिकारी स्वयं खाकर चेक करते हैं। तीनों ने मंगलवार और बुधवार की रातें पुराने शहर के कोहेफिजा थाने में काटी थी। इस थाने में एक ही पुरुष बंदी बैरक है। तीनों की सुरक्षा के लिए बैरक के बाहर एक-चार का गार्ड तैनात किया गया है। यह तैनाती लोकायुक्त की ओर से कराई गई है। थाने के रोजनामचे में बाकायदा तीनों की आमद दर्ज की गई है। थाने के बाहर भी लोकायुक्त की ओर से रिजर्व लाइन का पुलिस बल तैनात कराया जा रहा है। बाहरी सुरक्षा में चार जवान तैनात रहते हैं। थाने के स्टाफ को तीनों से बातचीत की इजाजत नहीं होती है।

**विवेचक, अधिकारियों और 3 डीएसपी के अलावा किसी को एंट्री नहीं–** जिस प्रथम तल पर तीनों आरोपियों से अलग-अलग कमरे में पूछताछ की जा रही है, वहां भी अलग से सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। सख्त सुरक्षा व्यवस्था के चलते केस के विवेचक और कार्यालय के दो आला अधिकारियों और उस फ्लोर पर मौजूद तीन डीएसपी रैंक के अधिकारियों को छोड़कर किसी भी अन्य अधिकारी-कर्मचारी को इस फ्लोर पर जाने की इजाजत नहीं है। अगर यहां जाना भी हो तो अधिकारियों की अनुमति आवश्यक कर दी गई है।

**ब्रेकफास्ट से लेकर लंच और डिनर तक का मेन्यू फिक्स–** हिरासत में रहने के दौरान फूड पाइजनिंग और अन्य बीमारियों के मद्देनजर तीनों आरोपियों का ब्रेक फास्ट से लेकर लंच और डिनर तक का मेन्यू फिक्स कर दिया गया है। यह मेन्यू एक डीएसपी स्तर के अधिकारी तय करते हैं। सुबह के नाश्ते में पहले दिन चाय के साथ पोहा, दूसरे दिन उपमा दिया गया। दोपहर के खाने में एक सीजनल सब्जी, चार रोटी और दाल के साथ स्टीम राइस दिए जा रहे हैं। दाल भी लंच और डिनर में अलग-अलग तरह की दी जा रही है। इस खाने को टेस्ट करने के बाद तीनों आरोपियों तक पहुंचाया जाता है।

# रेलवे से गायब होते डीजल इंजन की कहानी

### बनाने में लगे 6 महीने, कबाड़ियों ने 10 दिन में काट दिया, 8 लोको बिके

**जबलपुर (नप्र)।** जिस तरह भाप इंजन इतिहास बन चुका है, ठीक वैसे ही अब डीजल लोको भी सेवा से बाहर होने की कगार पर है। भारतीय रेलवे का करीब 80 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है, जिसके चलते रेलवे धीरे-धीरे डीजल इंजनों को हटाने की प्रक्रिया में जुटा है।

पश्चिम मध्य रेलवे ने अपने सभी डीजल लोको की नीलामी कर उन्हें कबाड़ में बेच दिया है। ये इंजन काटकर भिलाई स्टील प्लांट भेजे जा रहे हैं, जहां इनका लोहा गलाया जाएगा। जबलपुर के सतपुला यार्ड में खड़े सात डीजल इंजनों को भी रेलवे ने बेच दिया है, जिनकी कटाई का काम पिछले एक महीने से जारी है।

सूत्रों के अनुसार, जबलपुर और झांसी के कबाड़ियों ने इन डीजल इंजनों को 80 लाख से 1 करोड़ रुपए में स्क्रैप के रूप में खरीदा है।

### बनने में लगे छह माह- 10 दिन में कर दिए टुकड़े-टुकड़े

अब भारतीय रेलवे में डीजल लोको का समय खत्म हो चुका है और उनकी जगह इलेक्ट्रिक इंजन ने ले ली है। पहले रेलवे ने कोशिश की थी कि इन डीजल इंजनों को पड़ोसी देशों को बेच दिया जाए, लेकिन जब ये नहीं बिके, तो इन्हें कबाडियों को बेच दिया गया।

भारत के बनारस और कपूरथला में इन डीजल लोको का निर्माण होता था, और इसे बनाने में करीब छह महीने का समय लगता था। लेकिन जब इन्हें कबाड़ में बेचना शुरू किया गया, तो महज दस दिनों में कबाडियों ने इन लोको को काटकर स्क्रैप में बदल दिया। लोको के पहिए, टैंक और लाइट्स अलग-अलग बिक गए। जो इंजन पहले हजारों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाते थे, अब वही इंजन अपने अस्तित्व को बचाने के लिए काटे जा रहे हैं। इस बदलाव से यह साबित होता है कि अब इलेक्ट्रिक इंजन ने डीजल लोको की जगह ले ली है और पुराने इंजन धीरे-धीरे इतिहास बनते जा रहे हैं।

### भिलाई प्लांट में बेचा जाएगा

डीजल लोको को खरीदने वाले रवि श्रीवास्तव ने बताया कि पहले उन्होंने सोचा था कि लोको को ट्रक से भिलाई तक भेजा जाए, लेकिन इसके लिए बहुत बड़े ट्रक की जरूरत थी, जो बहुत महंगा साबित हो रहा था। इसलिए उन्होंने मजदूरों की मदद से लोको को काटने का फैसला लिया। करीब 10 से 12 मजदूरों ने गैस कटर और क्रेन की मदद से 10 दिनों में लोको को काटकर छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल दिया।

रवि श्रीवास्तव ने बताया कि रेलवे में इन इंजनों के लिए ऑनलाइन निविदा की गई थी। जब इन लोको को काटने की अनुमति मिली, तो झारखंड से मजदूर बुलाए गए, जिन्होंने इन्हें काटा। अब इन टुकड़ों को ट्रक की मदद से भिलाई स्टील प्लांट में भेजा जाएगा, जहां इन्हें लोहा गलाकर फिर से उपयोग में लाया जाएगा।

### डीजल लोको बेचने लगाई अंतरराष्ट्रीय सेल

पश्चिम मध्य रेलवे का पूरी तरह से इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है, और इसी कारण रेलवे ने अब काम से बाहर हो चुके डीजल लोको को बेचने की योजना बनाई है। रेलवे ने 80 से अधिक डीजल लोको को बेचने के लिए अंतरराष्ट्रीय निविदा निकाली थी। इसमें पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल को भी बुलाया गया था, ताकि वे भारतीय रेल के डीजल लोको खरीद सकें।

हालांकि, इन देशों ने इस प्रस्ताव में कोई रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद, रेलवे ने डीजल लोको को देश के भीतर ही बेचने के लिए नीलामी शुरू कर दी। अब इन लोको को स्क्रैप के रूप में बेचा जा रहा है, और इनका इस्तेमाल भिलाई स्टील प्लांट में लोहा गलाने के लिए किया जाएगा।

## महिलाएं बेबाकी से अपने विचार प्रकट करें, समाचार को पठनीय बनाएं

### राष्ट्रसेविका समिति ने मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया

**इंदौर।** महिलाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचारों को समाचार पत्रों से लेकर डिजिटल माध्यमों में रखना चाहिए। अखबारों और मीडिया के अन्य माध्यमों के लिए किसी भी कार्यक्रम के समाचार इस प्रकार बनाएं जाएं, ताकि पाठकों को वह पठनीय लगे।

यह बात राष्ट्रसेविका समिति द्वारा देवी अहिल्या केंद्रीय पुस्तकालय संगोष्ठी कक्ष में वरिष्ठ पत्रकार अनुराग तागड़े ने कही। आपने कहा कि

महिलाओं को केवल सीमित विषयों पर नहीं बल्कि प्रत्येक विषय पर अपनी बात रखनी चाहिए। आपनें खबरों की दुनिया के कई उदाहरण देकर राष्ट्र सेविका समिति की सदस्यों को समाचार किस प्रकार बनाएं जाने चाहिए यह बताया।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की पत्रकारिता विभाग अध्यक्ष सोनाली नरगुंदे ने बड़े ही सहज अंदाज में खबरों को कितने शब्दों में लिखना चाहिए यह बताया। आपने प्रेस नोट, समाचार, रिपोर्टिंग में किस प्रकार का अंतर होता है और इलेक्ट्रानिक मीडिया में किस प्रकार खबरों को दिखाया जाता है और आज के डिजिटल युग में समाचारों को आम जनता कैसे और किस प्रकार से देखती है यह भी बताया।

राष्ट्र सेविका समिति इंदौर की बौद्धिक प्रमुख सीमा भिसे ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि महिलाओं को लेखन के क्षेत्र में आगे आना चाहिए और खासतौर पर किसी भी कार्यक्रम या घटना पर अपने विचारों को शब्दों में पिरोना उन्हें आना चाहिए और इसके लिए छोटे किंतु सधे कदम बढ़ाने की जरुरत है। आपने सोशल मीडिया पर भी महिलाओं को अपनी बात रखने का आग्रह किया। वक्ताओं का स्वागत जगन्नाथ जिला कार्यवाहिका अर्चना आर्य ने किया। इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति की कई सदस्य उपस्थित थी।

# पन्ना हादसे के प्रभावितों को तत्काल मुआवजा देने और घटना की जांच की मांग

### पूर्व गृह मंत्री राजा पटैरिया ने प्रदेश शासन और प्रशासन को पत्र लिखा

**पन्ना।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व गृह मंत्री और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्थाई समिति सदस्य राजा पटैरिया ने प्रदेश सरकार और पन्ना कलेक्टर से अपील की है कि जेके सीमेंट फैक्ट्री में हुए हादसे में मृत और घायल मजदूरों को तुरंत मुआवजा दिया जाए। सरकार और कलेक्टर को लिखे पत्र में उन्होंने लिखा कि जेके सीमेंट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई जेके सीमेंट वर्क्स, पन्ना में हुए हादसे के प्रति गंभीरता बरती जाए।

इस घटना में 4 मजदूरों की मौत हुई और कई मजदूर छत गिरने से मलबे में दब गए। यह दुर्घटना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि औद्योगिक सुरक्षा मानकों के प्रति भी गंभीर लापरवाही है। मीडिया और स्थानीय जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में 30 से 35 मजदूर घायल भी हुए हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और इसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने लिखा कि हमारी मांग है कि प्रत्येक मृतक के परिवार को रू. 1 करोड़ का मुआवजा दिया जाए। मृतक के परिवार के एक सदस्य को कंपनी में नौकरी दी जाए। गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्तियों को रू. 50 लाख का मुआवजा दिया जाए और सामान्य घायल या स्थायी दिव्यांग मजदूर को रू. 25 लाख का मुआवजा दिया जाए।

इस घटना के कारणों की जांच के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी जांच शुरू की जाए। जिम्मेदार अधिकारियों और कंपनी प्रबंधन को उनकी लापरवाही के लिए जवाबदेह ठहराया जाए।

साथ ही जेके सीमेंट वर्क्स और अन्य औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सुरक्षा उल्लंघनों के लिए कंपनी पर भारी जुर्माना लगाया जाए। घायलों और उनके परिवारों को तत्काल चिकित्सा सहायता और आर्थिक राहत प्रदान की जाए।

राजा पटैरिया ने अनुरोध किया कि इस मामले में तत्काल और प्रभावी कार्रवाई हो। यदि पीड़ितों को न्याय और मुआवजा नहीं मिलता है, तो हमारी कांग्रेस और स्थानीय समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा। हम तब तक संघर्ष जारी रखेंगे जब तक कि पीड़ितों को उनका हक नहीं मिल जाता।